RNI NO . KARHIN/2021/82440 | बेंगलूरु,गुरूवार,04 जून 2026 | वर्ष-5, अंक- 328 | पृष्ठ-8, मूल्य- 5 रुपए | HIND SAGAR PRAHARI LOKTANTRA KA

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

हिन्द सागर प्रहरी लोकतंत्र का

जनसूचना से जनजागरण
आम आदमी का मीडिया मंच

Posted at Bengaluru PSO, Bengaluru - 560026, Daily Newspaper. Regd. No.KRNA/BGE-1172/2023-2025

प्रधान संपादक: शिवसागर पाण्डेय

बेंगलुरु और लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

ಹಿಂದ್ ಸಾಗರ್ ಪ್ರಹರಿ ಲೋಕ್ ತಂತ್ರ ಕಾ...

: 9686473366
: 9845025200

BIKANERVALA
Sweets | Fine Dining | Party Hall | Outdoor Catering
Delicious Taste, Elegant Ambience & Premium Service – All at Affordable Prices
JAYANAGAR - BENGALURU

डी.के. शिवकुमार ने ली कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ

1,413 करोड़ की संपत्ति के साथ बने सबसे अमीर मुख्यमंत्री

हिन्द सागर प्रलोका,

बेंगलुरु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। अपनी घोषित 1,413 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ वे देश के सबसे अमीर मौजूदा मुख्यमंत्रियों में शामिल हो गए हैं। उनकी संपत्ति में भूमि, लग्जरी अचल संपत्तियां और विभिन्न वित्तीय निवेश शामिल हैं।

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने बेंगलुरु स्थित लोक भवन के ग्लास हाउस में मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कांग्रेस नेता जी. परमेश्वर ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मंत्रिमंडल में कुल 14 नेताओं को शामिल किए जाने की जानकारी सामने आई है, जबकि विभागों का बंटवारा शीघ्र घोषित किए जाने की संभावना है। नई मंत्रिपरिषद में अनुभवी नेताओं के साथ युवा चेहरों को भी स्थान दिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पुत्र यतींद्र सिद्धारमैया का नाम भी मंत्रिमंडल के संभावित सदस्यों में बताया जा रहा है।

शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। समारोह से पहले डी.के. शिवकुमार ने अपने आवास के बाहर समर्थकों का अभिवादन किया। उनके मुख्यमंत्री बनने की खुशी में कार्यकताओं ने पूजा-पाठ और उत्सव का आयोजन किया। नई सरकार के गठन के साथ ही राज्य में प्रशासनिक कार्यों की नई शुरूआत हो गई है।

अखिल भारतीय महापौर परिषद की कार्यकारी समिति की बैठक में पहुंचे सीएम

विकास, सुशासन पर मंथन

ऋषिकेश (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ऋषिकेश में अखिल भारतीय महापौर परिषद की 117वीं कार्यकारी समिति की बैठक में शामिल होने पहुंचे। देश के विभिन्न शहरों के महापौर बैठक में हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान सीएम धामी ने बेहतर शहरी व्यवस्थाओं और जनसेवा को विकास की आधारशिला बताया। देशभर से आए महापौरों के बीच शहरी विकास, सुशासन और जनहित के मुद्दों पर व्यापक मंथन हो रहा है। उत्तराखंड में आधुनिक शहरी सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं को निरंतर गति मिल रही है।

जनता की सेवा सबसे बड़ी जिम्मेदारी, हाईकमान का फैसला मंजूर:जी परमेश्वर

बंगलूरू (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जी परमेश्वर ने बुधवार को अपनी स्थिति पूरी तरह साफ कर दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद की जगह उपमुख्यमंत्री चुने जाने पर उनके अनुभव को कम नहीं आंका गया है। उनके साथ किसी भी तरह का अन्याय होने का सवाल ही पैदा नहीं होता। परमेश्वर मुख्यमंत्री पद के मुख्य दावेदारों में से एक थे। उन्होंने कहा कि पार्टी के बड़े नेताओं ने उन्हें एक बहुत जरूरी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कांग्रेस हाईकमान के इस फैसले को पूरी तरह और खुशी से स्वीकार कर लिया है।

पंजाब बीजेपी अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने संभाला कार्यभार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को चंडीगढ़ स्थित पंजाब भाजपा कार्यालय पहुंचकर पंजाब भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों को कार्यभार ग्रहण करने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी वर्ष 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगी और राज्य में भी हरियाणा की तर्ज पर डबल इंजन की सरकार बनेगी। कार्यक्रम के दौरान नायब सिंह सैनी ने पंजाब भाजपा कार्यालय में पूजा और अरदास में हिस्सा लिया तथा दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक विचार आधारित संगठन है, जहां व्यक्ति नहीं बल्कि विचारधारा और राष्ट्रहित सर्वोपरि होते हैं। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जनसेवा और राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ कार्य करता है, यही कारण है कि आज भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब ने देश की सुरक्षा, कृषि, उद्योग और राष्ट्रभक्ति के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है।

मालवीय नगर हादसे में 21 लोगों की मौत, इनमें 18 विदेशी

पुलिस ने दर्ज किया केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालवीय नगर आग की घटना पर दिल्ली अग्निशमन सेवा के पीआरओ एके मलिक ने कहा,'आज दिल्ली सरकार के मंत्री ने घटनास्थल का दौरा किया और संबंधित डीसी और एसडीएम को निर्देश दिए कि ऐसी सभी इमारतों का तत्काल निरीक्षण किया जाए। मंत्री ने आज शाम तक इस संबंध में एक रिपोर्ट भी मांगी है।' इस घटना में कांगो के एक नागरिक के परिवार के सदस्यों की मृत्यु हो गई। नागरिक ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उसकी बहन भी इस हादसे में मारी गई है। उसने अपने प्रियजनों को खोने पर गहरा सदमा जताया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 'दिल्ली पुलिस के दस कर्मियों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें पांच हेड कांस्टेबल और पांच कांस्टेबल शामिल हैं। वे ही सबसे पहले परिसर में दाखिल हुए थे। उनका फिलहाल इलाज चल रहा है।' दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा, 'बहुत दुखद है। दिल्ली में ये पहली घटना नहीं है। पिछले तीन महीने में हुई ये चौथी ऐसी घटना है जहां लोगों ने अपनी जान गंवा दी है लेकिन सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। मैं दिल्ली के फायर डिपार्टमेंट और यहां के कॉर्पोरेशन को जिम्मेदार ठहराना चाहता हूं, इन्हीं के संरक्षण में कहीं न कहीं इस तरह की अवैध कार्रवाई होती है। लोग मर जाते हैं और यहां की सरकार के कान पर जूं नहीं रेंगती? दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुताबिक, जिस रेस्टोरेंट में आग लगने से 21 लोगों की मौत हुई थी, उसकी पहचान 'होटल फ्लोरिश स्टेज' के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, होटल के मालिक की पहचान लोकेश बजाज के रूप में हुई है।

पीएम मोदी से मिले नेपाल की सत्तारूढ़ पार्टी के प्रमुख रवि लामिछाने

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल को भारत का प्राथमिकता वाला साझेदार बताते हुए कहा कि नयी दिल्ली देश की नयी सरकार के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि लामिछाने से मुलाकात करके उन्हें प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा, मैं साझा और समृद्ध भविष्य के लिए मिलकर काम करने की उनकी इच्छा का स्वागत करता हूं और उससे पूरी तरह सहमत हूं। नेपाल हमारी पड़ोसी पहले नीति के तहत एक प्राथमिकता वाला साझेदार है और हम दोनों देशों के बीच विशेष और बहुआयामी संबंधों को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए नयी सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं।

ऋतब्रत बोले- स्पीकर ने हमारा दावा मंजूर किया, ममता से अपील- मुख्य सलाहकार बनकर मार्गदर्शन करें

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी घमासान अब और तेज हो गया है। निष्कासित और निलंबित नेताओं के बयानों ने पार्टी के अंदर बड़े विभाजन के संकेत दे दिए हैं। टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया है कि विधानसभा स्पीकर ने उनके गुट की दावेदारी स्वीकार कर ली है। उन्होंने कहा कि टीएमसी विधायक दल उसी गुट का है, जिसके पास पार्टी के चुनाव चिन्ह पर जीतकर आए दो-तिहाई विधायक हैं। ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि उनका गुट ममता बनर्जी को पत्र लिखकर टीएमसी विधायक दल का

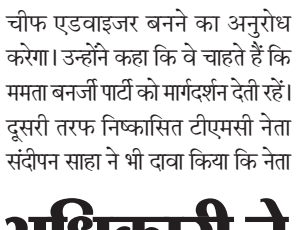

चीफ एडवाइजर बनने का अनुरोध करेगा। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि ममता बनर्जी पार्टी को मार्गदर्शन देती रहें। दूसरी तरफ निष्कासित टीएमसी नेता संदीपन साहा ने भी दावा किया कि नेता विपक्ष का कमरा आधिकारिक तौर पर आवंटित हो चुका है और ऋतब्रत बनर्जी वहां बैठ चुके हैं। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि बागी गुट अब खुद को विधानसभा के अंदर असली टीएमसी विधायक दल के रूप में पेश कर रहा है। ऋतब्रत ने यह भी कहा कि मैंने पार्टी में बात करने की कोशिश की तो पहले तीन दिन तो मुझे घुसने ही नहीं दिया गया। भ्रष्टाचार इस चुनाव का अहम मुद्दा रहा। बार-बार बोलने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई, जबकि सबूत थे। फिर बोला गया कि चुनाव के बाद कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। अभिषेक बनर्जी चोरों की तरह पिटने के बाद बोले कि आवाम उनकी सुरक्षा करेगी। फिर उनकी तरफ से सुरक्षा के लिए चिट्ठी लिखी गई। क्या टीएमसी के भीतर दो खेमे बन गए हैं? टीएमसी के भीतर अब खुलकर दो धड़े दिखाई दे रहे हैं। एक तरफ ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी का आधिकारिक गुट है, जबकि दूसरी तरफ बागी विधायक हैं जो खुद को असली विधायक दल बता रहे हैं। ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया कि उनके साथ 58 विधायक हैं और दो अन्य विधायक भी जल्द जुड़ सकते हैं।

सीएम शुभेंदु अधिकारी ने शुरू की अन्नपूर्णा योजना

पहले चरण में 28.25 लाख महिलाओं को मिलेंगे 3,000

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार की महत्वकांक्षी अन्नपूर्णा योजना की शुरूआत हो गई है। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने इस योजना का उद्घाटन कर महिलाओं को स्वीकृति पत्र बांटे। अन्नपूर्णा योजना के पहले चरण में 28.25 लाख महिलाओं को 3000 रुपये प्रति माह की सहायता राशि दी जाएगी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के पहले चरण में 28.25 लाख लाभार्थियों को 3,000 रुपये की मासिक सहायता मिलेगी। इसे बंगाल की भाजपा सरकार की महत्वाकांक्षी सामाजिक कल्याण

योजना माना जा रहा है। योजना के पहले चरण में लाभार्थियों के बैंक खातों में आज से सीधे 3,000 रुपये की राशि भेजी जाएगी। शुरूआती अनुमान के अनुसार, इस योजना से लगभग दो करोड़ महिलाओं को लाभ मिलने की संभावना है। हालांकि, पहले चरण में 28.25 लाख महिलाओं को ही इसका लाभ मिलेगा। राज्य के कई हिस्सों में आयोजित किया गया कार्यक्रम बंगाल की पहली भाजपा सरकार की इस अन्नपूर्णा योजना के उद्घाटन समारोह में सीएम शुभेंदु अधिकारी के साथ महिला, बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग की मंत्री अग्निमित्रा पॉल भी मौजूद रहीं। योजना का उद्घाटन कार्यक्रम राज्य के सभी ब्लॉकों, नगरपालिकाओं और कोलकाता नगर निगम क्षेत्र में भी वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया। लाभार्थियों को बांटे गए स्वीकृति पत्र उद्घाटन के तुरंत बाद प्रत्येक ब्लॉक और नगरपालिका में चयनित 100 अन्नपूर्णा योजना लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र सौंपे गए। इसी तरह कोलकाता नगर निगम क्षेत्र में भी 100 लाभार्थियों को ये पत्र दिए गए। सूत्रों के अनुसार, संबंधित उपमंडल अधिकारियों (एसडीओ), बीडीओ और नगरपालिका प्रशासन की सिफारिशों के आधार पर लाभार्थियों की सूची को अंतिम रूप दिया गया है। योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य की महिलाओं को डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से वित्तीय मदद मुहैया कराना है।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु,गुरूवार,04 जून 2026

राष्ट्रीय एकता के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव जरूरी : विश्वास सारंग

हिन्द सागर प्रलोका,

भोपाल/हैदराबाद। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विश्वास सारंग और भाजपा नेता मनमीत सिंह मदन ने एक राष्ट्र, एक चुनाव तथा परिसीमन का समर्थन किया है। सारंग ने कहा कि देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव आवश्यक है। उन्होंने कांग्रेस पर राष्ट्रीय मुद्दों पर असहज होने का आरोप लगाते हुए कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) भी देश के लिए महत्वपूर्ण है और मध्य प्रदेश सरकार इसके क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है।

हैदराबाद में भाजपा नेता मनमीत सिंह मदन ने कहा कि परिसीमन समय की मांग है। उनके अनुसार, एक साथ चुनाव होने से चुनावी संसाधनों, कर्मचारियों और प्रशासनिक मशीनरी का बेहतर उपयोग होगा तथा बार-बार चुनाव कराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

पवन कल्याण के तेलंगाना में सक्रिय होने संबंधी प्रश्न पर मदन ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और कोई भी व्यक्ति किसी भी राज्य से चुनाव लड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यदि पवन कल्याण तेलंगाना में काम करना चाहते हैं तो उनका स्वागत है और भाजपा उन्हें रोकना नहीं चाहती।

करुणानिधि की विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी : मुख्यमंत्री विजय

हिन्द सागर प्रलोका,

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ आंदोलन के वरिष्ठ नेता एम. करुणानिधि की 103वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि करुणानिधि का योगदान राजनीति तक सीमित नहीं था, बल्कि साहित्य, सिनेमा, प्रशासन और सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी अमिट छाप आज भी दिखाई देती है।

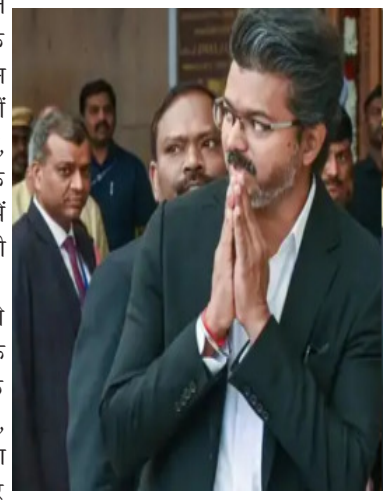

मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि करुणानिधि एक बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। लेखक, नाटककार, पटकथा लेखक, प्रशासक और राजनीतिक नेता के रूप में उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। उन्होंने राज्य स्वायत्तता, राज्यों के अधिकारों और सामाजिक न्याय को मजबूत करने के लिए किए गए उनके प्रयासों को भी याद किया।

इस अवसर पर डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने चेन्नई के मरीना बीच स्थित करुणानिधि स्मारक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का नेतृत्व किया। पार्टी नेताओं, सांसदों, विधायकों और कार्यकर्ताओं ने दिवंगत नेता को पुष्पांजलि अर्पित की। स्टालिन ने सोशल मीडिया पर करुणानिधि को जनसेवा और सामाजिक न्याय के लिए जीवनभर समर्पित रहने वाला नेता बताते हुए कार्यकर्ताओं से उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि करुणानिधि पांच बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे और लगभग पांच दशकों तक डीएमके का नेतृत्व किया। तमिल साहित्य, सिनेमा और जनकल्याणकारी योजनाओं में उनके योगदान के लिए उन्हें आज भी सम्मानपूर्वक याद किया जाता है।

योगान्ध्र-2026 अभियान शुरू, एक करोड़ लोगों को योग से जोड़ने का लक्ष्य

हिन्द सागर प्रलोका,

अमरावती, 3 जून। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्यव्यापी 14 दिवसीय योगान्ध्र-2026 अभियान की शुरूआत की

घोषणा करते हुए योग को भारत की विश्व को दी गई अमूल्य जीवनशैली बताया। उन्होंने कहा कि तनाव, चिंता और जीवनशैली जनित बीमारियों से बचाव के लिए योग सबसे प्रभावी उपाय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार योग को केवल एक दिवस तक सीमित रखने के बजाय जन-जन की दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहती है। इसके लिए एक करोड़ लोगों को अभियान से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने स्वस्थ और सशक्त आंध्र प्रदेश के निर्माण के लिए योग को जनस्वास्थ्य आंदोलन बनाने पर बल दिया।

7 से 20 जून तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत सभी जिलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अमरावती में कृष्णा नदी के पश्चिमी बाईपास पुल पर 25 हजार लोगों की सहभागिता से विशाल योग प्रदर्शन होगा। प्रत्येक जिले में विशेष विषय आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, वहीं पुलिसकर्मियों, किसानों, युवाओं, महिलाओं और विद्यार्थियों के लिए भी विशेष सत्र रखे गए हैं।

योग को पर्यटन और आध्यात्मिक स्थलों से जोड़ने के उद्देश्य से उंडावल्ली गुफाओं तथा श्रीशैलम सहित 56 प्रमुख स्थलों पर विशेष आयोजन किए जाएंगे। अभियान के लिए राज्य सरकार ने 10 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान किया है। साथ ही पूरे वर्ष योग के प्रचार-प्रसार और प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य बड़ी संख्या में योग प्रशिक्षकों को तैयार कर योग संस्कृति को गांव-गांव तक पहुंचाना है। जून माह को ह्ययोग माहह्न के रूप में मनाया जाएगा।

तेलंगाना के सम्मान और संघर्ष पर कोई समझौता नहीं, पवन कल्याण सोच-समझकर बोलें: केटीआर

हिन्द सागर प्रलोका,

हैदराबाद, 3 जून। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के हालिया बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि तेलंगाना को उनसे देशभक्ति का पाठ सीखने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का गठन दशकों के संघर्ष और हजारों लोगों के बलिदान के बाद हुआ है, इसलिए राज्य के सम्मान और भावनाओं का आदर किया जाना चाहिए।

केटीआर ने कहा कि तेलंगाना देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है और उसे किसी प्रकार के नैतिक उपदेश की जरूरत नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पवन कल्याण का एक अभिनेता और जनप्रतिनिधि के रूप में सम्मान किया जाता है, लेकिन यदि वे तेलंगाना की राजनीति में दबदबा बनाने की कोशिश करेंगे तो इसका विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में किसी को भी राजनीतिक गतिविधियां चलाने या चुनाव लड़ने से नहीं रोका जा रहा है। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को किसी भी राज्य से चुनाव लड़ने का अधिकार देता है, लेकिन यहां की जनता की आकांक्षाओं, संघर्षों और बलिदानों का सम्मान करना भी आवश्यक है।

पवन कल्याण के क्षेत्रवाद संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए केटीआर ने कहा कि तेलुगु राज्य की मांग के लिए बलिदान देने वाले नेताओं और आंदोलनकारियों के संघर्ष को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना के गठन को लेकर की गई टिप्पणियां राज्य की जनता की भावनाओं को आहत करती हैं। बीआरएस नेता ने दोहराया कि तेलंगाना किसी संयोग से नहीं बना, बल्कि लंबे जनआंदोलन और बलिदानों का परिणाम है। इसलिए राज्य के बारे में टिप्पणी करते समय सभी नेताओं को संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए।

जनभागीदारी से जल संरक्षण अभियान ने रचा इतिहास, 1.55 करोड़ जल संरचनाएं बनीं

हिन्द सागर प्रलोका,

नई दिल्ली। देश में जल संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे अभियान ने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से शुरू हुई यह मुहिम अब जन आंदोलन का रूप ले चुकी है। इसके परिणामस्वरूप सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य से कहीं अधिक जल संरचनाओं का निर्माण किया गया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने बताया कि 31 मई 2026 तक एक करोड़ जल संरचनाएं बनाने का लक्ष्य रखा गया था, जबकि अब तक 1.55 करोड़ से अधिक जल संरचनाएं तैयार हो चुकी हैं। यह निर्धारित लक्ष्य से 55 लाख अधिक है।

इस अभियान की शुरूआत सितंबर 2024 में प्रधानमंत्री की जल संरक्षण संबंधी अपील के बाद हुई थी। इसके बाद देशभर में नागरिकों, सामाजिक संगठनों और उद्योग जगत ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कई राज्यों में तालाबों के संरक्षण, जलाशयों के निर्माण और वर्षा जल संचयन के कार्य बड़े पैमाने पर किए गए। राज्यों में आंध्र प्रदेश 31.08 लाख जल संरचनाओं के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद छत्तीसगढ़ में 23.07 लाख तथा मध्य प्रदेश में 21.90 लाख संरचनाएं बनाई गई हैं। आंध्र प्रदेश का अल्लूरी सीताराम राजू जिला इस अभियान में देशभर में शीर्ष स्थान पर रहा। अभियान की सफलता में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मनरेगा के तहत करीब 10 लाख संरचनाएं बनाई गईं, जबकि शेष निर्माण कार्य आम लोगों, सामाजिक संस्थाओं और उद्योगों के सहयोग से पूरा हुआ। इस उपलब्धि को देखते हुए केंद्र सरकार ने वर्ष 2027 तक दो करोड़ जल संरचनाएं बनाने का नया लक्ष्य निर्धारित किया है।

मां को किडनी दान की अनुमति, हाई कोर्ट ने समिति का आदेश किया रद्द

हिन्द सागर प्रलोका,

चेन्नई। मद्रास हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण मानवीय फैसले में बांग्लादेश की एक महिला को अपने गंभीर रूप से बीमार नाबालिग बेटे को किडनी दान करने की अनुमति दे दी है। अदालत ने तमिलनाडु प्राधिकरण समिति द्वारा ट्रांसप्लांट की अनुमति से इनकार करने के आदेश को रद्द करते हुए उसे कानूनी रूप से गलत और असंवेदनशील बताया। न्यायमूर्ति जी.आर. स्वामीनाथन ने कहा कि मामले में केवल यह देखना प्रासंगिक था कि किडनी दान करने वाली महिला बच्चे की मां है या नहीं। माता-पिता के वैवाहिक संबंधों की पुष्टि न होने के आधार पर आवेदन खारिज करना पूरी तरह अप्रासंगिक था। अदालत ने समिति को तत्काल किडनी प्रत्यारोपण की अनुमति देने का निर्देश दिया।

मामला बांग्लादेश के एक नाबालिग बालक से जुड़ा है, जो गंभीर किडनी रोग से पीड़ित है और उपचार के लिए अपने माता-पिता के साथ मेडिकल वीजा पर चेन्नई आया था। अपोलो अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे किडनी प्रत्यारोपण की सलाह दी थी। उसकी मां सभी चिकित्सीय परीक्षणों में उपयुक्त पाई गई थीं, लेकिन समिति ने आवेदन अस्वीकार कर दिया था।

सुनवाई के दौरान परिवार ने पासपोर्ट, वीजा, जन्म प्रमाण-पत्र, राष्ट्रीय पहचान पत्र, पारिवारिक दस्तावेज, डीएनए रिपोर्ट तथा बांग्लादेश के उप उच्चायोग से प्राप्त एनओसी सहित कई प्रमाण प्रस्तुत किए।

अदालत ने इन दस्तावेजों को विश्वसनीय मानते हुए कहा कि प्रशासनिक निर्णय केवल प्रासंगिक तथ्यों के आधार पर ही लिए जाने चाहिए। साथ ही अदालत ने जांच के दौरान मौखिक जवाबों को अनावश्यक महत्व देने के लिए समिति की आलोचना भी की।

फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाकर करोड़ों की हेराफेरी करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता) । कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर सैकड़ों अपात्र लोगों के फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाकर सरकारी धन हड़पने वाले एक और आरोपी को एसटीएफ ने बुद्धेश्वर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। इस गिरोह के दो सदस्यों को 17 जून 2025 को प्रयागराज और सात अन्य सदस्यों को 24 दिसंबर 2025 को लखनऊ से गिरफ्तार किया जा चुका है। अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ विशाल विक्रम सिंह ने बताया टीम आयुष्मान कार्ड बनाने वाले संगठित गिरोह की तलाश में लगी थी। इस दौरान मुखबिर की सूचना पर मंगलवार शाम करीब 5 बजे एसटीएफ टीम ने बुद्धेश्वर पारा से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी की पहचान संडीला हरदोई निवासी चक्र शेरू उर्फ अभिषेक उर्फ अजय के रूप में हुई। मौजूदा समय में आलमनगर तालकटोरा में रहता है। गिरफ्तार आरोपी चक्रशे ने पूछताछ में बताया कि वह साल 2023 में एसएससी की तैयारी के लिए लखनऊ आया था। नवंबर 2024 में उसने 102 एंबुलेंस कार्यालय में गार्ड की नौकरी शुरू की। मार्च 2025 में बुद्धेश्वर स्थित एक सीएससी केंद्र पर उसकी मुलाकात अवनीश से हुई। अपना आयुष्मान कार्ड बनवाने के दौरान उसकी पहचान गिरोह के मास्टरमाइंड चंद्रभान वर्मा से कराई गई। चंद्रभान ने उसे बताया कि वह किसी भी व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवा सकता है। इसके बाद आरोपी गिरोह के साथ जुड़ गया और फर्जी कार्ड बनवाने का काम करने लगा। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि अप्रैल 2025 में चंद्रभान ने उसकी मुलाकात एक सॉफ्टवेयर डेवलपर से कराई थी। डेवलपर ने आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए एक फर्जी पोर्टल तैयार किया था। जिसके जरिए अपात्र लोगों को पात्र परिवारों की फैमिली आईडी में जोड़कर कार्ड जारी कराए जाते थे। पोर्टल में उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों की फैमिली आईडी का डेटा मौजूद था। सिस्टम इस तरह तैयार किया गया था कि सदस्य जोड़ने के दौरान ओटीपी परिवार के मुखिया के बजाय नए सदस्य के आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर पहुंचता था। इसके जरिए बिना वास्तविक सत्यापन के लोगों को पात्र परिवारों में जोड़ दिया जाता था। चक्रशे ने बताया कि वह प्रतिदिन पांच से छह फर्जी आयुष्मान कार्ड बनवाता था। प्रति कार्ड 700 से 800 रुपए लिए जाते थे। कार्डों की मंजूरी आईएसए और एसएचए स्तर पर गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की मदद से कराई जाती थी। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने पिछले एक साल में करीब 1500 फर्जी आयुष्मान कार्ड बनवाए हैं। एसटीएफ के अनुसार, फर्जी तरीके से बनाए गए इन कार्डों के जरिए अपात्र लोगों ने विभिन्न अस्पतालों में मुफ्त इलाज कराया। इससे सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ है। इस मामले में गिरोह के सदस्य चंद्रभान वर्मा, राजेश मिश्रा, सुजीत कनौजिया, सौरभ मौर्य, विश्वजीत सिंह, रंजीत सिंह और अंकित यादव को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। एसटीएफ अब आरोपी द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। एसटीएफ ने बताया कि आरोपी से बरामद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का फोरेंसिक जांच कराई जाएगी। जिससे फजीर्वाड़े के नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा सके।

गंगा में नहाते समय 2 किशोर डूबे,एक घंटे बाद गोताखारों ने निकालीं डेडबॉडी

वाराणसी लखनऊ (संवाददाता) । वाराणसी के नमो घाट पर गंगा में डूबने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बुधवार सुबह घाट पर बने नमस्ते हैंड के सामने स्नान के दौरान बिहार से आए दो किशोर गहरे पानी में डूब गए। सूचना पर पुलिस, एनडीआरएफ और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद दोनों का शव गंगा से बाहर निकाला गया। आदमपुर थाना प्रभारी विमल मिश्रा के अनुसार बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी राजीव रंजन (17), आदित्य कुमार (16) और आयुष कुमार (15) बुधवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे नमो घाट पहुंचे थे। राजीव रंजन और आयुष नमस्ते हैंड के पास गंगा में स्नान करने के लिए उतरे थे। इसी दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। घाट पर मौजूद लोगों और उनके साथ आए आदित्य ने दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। घटना की सूचना तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई। इसके बाद आदमपुर पुलिस, एनडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की टीम ने संयुक्त रूप से खोज अभियान शुरू किया। काफी प्रयास के बाद दोनों किशोरों के शव बरामद कर लिए गए। राजीव रंजन और आदित्य वाराणसी में पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा देने आए थे। हादसे की सूचना मिलते ही उनके परिवारों में कोहराम मच गया। परिजन मुजफ्फरपुर से वाराणसी के लिए रवाना हो गए हैं। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मंडलीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। वहीं नमो घाट पर लगातार हो रही डूबने की घटनाओं के बावजूद लोग गंगा में गहराई तक उतर रहे हैं। जिससे ऐसे हादसे सामने आ रहे हैं। घटना के बाद घाट पर काफी देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही।

विश्व साइकिल दिवस पर बुजुर्गों ने दी सीख, साइकिलिंग को बताया स्वस्थ जीवन और स्वच्छ पर्यावरण की कुंजी

हिन्द सागर प्रलोका,

नारायणगढ़। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर क्षेत्र के बुजुर्गों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने साइकिलिंग को स्वस्थ जीवन और पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी माध्यम बताते हुए युवाओं से इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया।

नागरिक अस्पताल नारायणगढ़ के एसएमओ डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि नियमित साइकिलिंग हृदय को मजबूत बनाती है, मांसपेशियों की शक्ति बढ़ाती है तथा मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं में भी लाभकारी है। इसके साथ ही यह मानसिक तनाव कम करने और प्रदूषण घटाने में भी सहायक है। 84 वर्षीय सेवानिवृत्त मुख्याध्यापक जगदीशचंद वर्मा ने बताया कि उन्होंने छात्र जीवन से लेकर सेवा काल तक साइकिल का निरंतर उपयोग किया और आज भी दैनिक कार्यों के लिए साइकिल चलाते हैं। वहीं 71 वर्षीय पंडित रमा शंकर प्रतिदिन लगभग 20 किलोमीटर साइकिल चलाते हैं और इसे स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं।

गुलजारा राम ने बताया कि वर्ष 1977 से उनका साइकिल से जुड़ाव बना हुआ है और आज भी वे नियमित रूप से साइकिल चलाते हैं। युवा सुरेंद्र राणा ने कहा कि साइकिल केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से मोबाइल और सोशल मीडिया पर समय बिताने के बजाय खेलकूद, योग और साइकिलिंग अपनाने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि लोगों को साइकिल के स्वास्थ्य, सामाजिक और पर्यावरणीय लाभों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 3 जून को विश्व साइकिल दिवस मनाया जाता है।

तमिलनाडु के नए डीजीपी बने महेश कुमार अग्रवाल, नशे और साइबर अपराध पर रहेगा फोकस

हिन्द सागर प्रलोका,

चेन्नई, 3 जून। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी महेश कुमार अग्रवाल ने बुधवार को तमिलनाडु के नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में पदभार ग्रहण किया। वे डीजीपी संदीप राय राठौड़ का स्थान लेंगे और आगामी दो वर्षों तक इस पद पर कार्य करेंगे।

केंद्र सरकार द्वारा उनकी बीएसएफ में विशेष महानिदेशक के पद से प्रतिनियुक्ति समाप्त किए जाने के बाद उन्हें तमिलनाडु कैडर में वापस भेजा गया था। अग्रवाल इससे पहले चेन्नई पुलिस आयुक्त सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि राज्य में मादक पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। इसके साथ ही साइबर अपराधों और महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में जनता से पुलिस का सहयोग करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2025 में डीजीपी शंकर जीवाल के सेवानिवृत्त होने के बाद से राज्य में पूर्णकालिक डीजीपी का पद रिक्त था। वहीं, पूर्व डीजीपी संदीप राय राठौड़ को महानिदेशक, जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं नियुक्त किया गया है।

एफसीआई की अनाज बोरियों पर लगेगा क्यूआर टैग, निगरानी होगी और सख्त

हिन्द सागर प्रलोका,

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के खाद्यान्न की निगरानी को और प्रभावी बनाने के लिए अनाज की बोरियों पर क्यूआर टैग लगाने की योजना का विस्तार करने का निर्णय लिया है। चालू विपणन सत्र में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा से भेजे जाने वाले कुल 20 लाख टन चावल को इस व्यवस्था के दायरे में लाया जाएगा।

खाद्य मंत्रालय के अनुसार, आंध्र प्रदेश में दिसंबर 2025-जनवरी 2026 तथा पंजाब में अप्रैल-मई 2026 के दौरान सफल पायलट परियोजना के बाद यह कदम उठाया गया है। योजना के तहत आंध्र प्रदेश से 10 लाख टन तथा तेलंगाना और ओडिशा से पांच-पांच लाख टन चावल क्यूआर टैगिंग के साथ भेजा जाएगा।

क्यूआर टैगिंग प्रणाली से प्रत्येक बोरी की पूरी जानकारी, जैसे खरीद केंद्र, खरीद एजेंसी और संबंधित सत्र का पता लगाया जा सकेगा। गोदामों और राशन दुकानों पर बोरियों को स्कैन कर उनकी आवाजाही पर नजर रखी जाएगी। इससे खाद्यान्न की बोरियों के दुरुपयोग और पुनः उपयोग पर रोक लगाने के साथ-साथ सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

10 साल तक खुद को मृत बताकर फरार रहा दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार

हिन्द सागर प्रलोका,

हैदराबाद,। तेलंगाना पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसने करीब 10 वर्षों तक खुद को मृत बताकर कानून की गिरफ्त से बचने की कोशिश की। आरोपी मोहम्मद अब्दुल वाजिद उर्फ धूम खालिद वर्ष 2016 में एक इंजीनियरिंग छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार हुआ था, लेकिन जमानत पर रिहा होने के बाद फरार हो गया था।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने अपनी मौत की अफवाह फैला दी और पहचान छिपाकर महाराष्ट्र के नांदेड़, चंद्रपुर तथा नागपुर में रह रहा था। मामले का खुलासा तब हुआ जब उसकी पत्नी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पति जीवित है और उसे धमकियां दे रहा है।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने तकनीकी निगरानी और स्थानीय जांच शुरू की। मिले सुरागों के आधार पर आरोपी का पता लगाकर सोमवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने पिछले दस वर्षों से फरार रहने और पहचान छिपाने की बात स्वीकार की। पुलिस अब उसके फरारी के दौरान की गतिविधियों की भी जांच कर रही है।

साहित्य मानव जीवन को प्रतिबिंबित करने का सशक्त माध्यम है

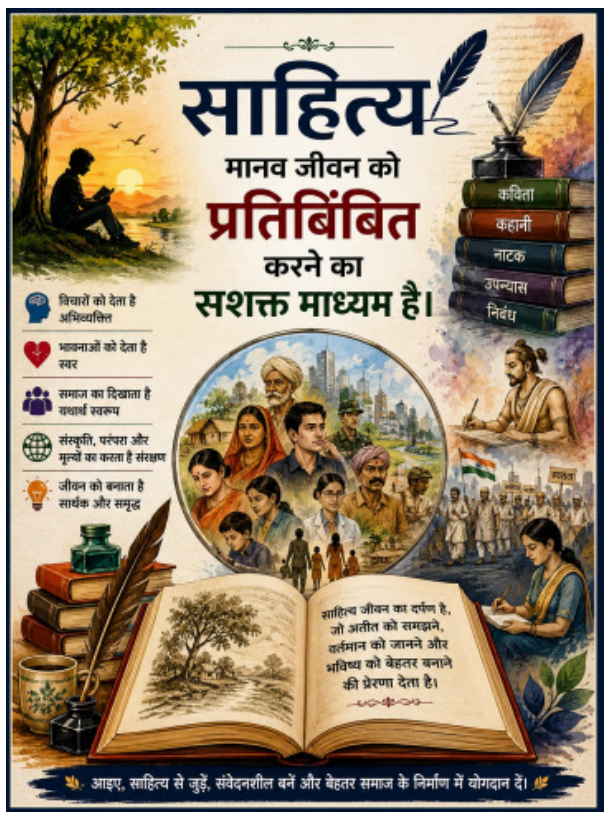

हितेन सहितं साहित्यं अर्थात जो लोकहित से युक्त हो, वही साहित्य है। साहित्य समाज का दर्पण है। साहित्य का विकास समाज के बीच होता है। समाज में जब कोई बड़ा परिवर्तन आता है, तो साहित्य पर भी उसका प्रभाव पड़ता हैं। साहित्य शब्द का विग्रह दो तरह से किया जा सकता है। भाषा के माध्यम से अपने अंतरंग की अनुभूति, अभिव्यक्ति करानेवाली ललित कला 'काव्य' अथवा 'साहित्य' कहलाती है। ललित कला अथवा अँग्रेजी का Fine Art शब्द उस कला के लिए प्रयुक्त होता है, जिसका आधार सौंदर्य या सुकुमारता है। किन्तु आधुनिक धारणाओं के साथ ललित कला में अपेक्षित सौन्दर्यभाव, रमणीयता का भाव धीरे-धीरे लुप्त हो रहा है। अतः हर ललित कला सौंदर्य की निर्मिति करनेवाली हो, यह संभव नहीं। यथार्थ के अंकन के साथ 'सौंदर्य' इस शब्द का बदलता अर्थ हम देख रहे है। साहित्य की व्यूत्पति को ध्यान में रखकर इस शब्द के अनेक अर्थ प्रस्तुत किए गए है। 'यत' प्रत्यय के योग से साहित्य शब्द की निर्मिति हुई है। शब्द और अर्थ का सहभाव ही साहित्य है। कुछ विद्वानों के अनुसार हितकारक रचना का नाम साहित्य है। साहित्य मानव के विचारों, भावनाओं, अनुभवों और कल्पनाओं की कलात्मक एवं प्रभावशाली अभिव्यक्ति है। यह भाषा के माध्यम से जीवन, समाज, संस्कृति और मानवीय मूल्यों का चित्रण करता है।

साहित्य का अंग्रेजी शब्द एक लैटिन शब्द (लिटरा, लिटरेटुरा या लिटरेटस) का एक संशोधित रूप है जिसका अर्थ है 'अक्षरों से बना लेखन'। साहित्य आमतौर पर कोई भी लिखित कार्य हो सकता है, लेकिन यह विशेष रूप से लेखन का एक कलात्मक या बौद्धिक कार्य है। साहित्य की अंग्रेजी शब्दकोश परिभाषा। किसी भाषा, काल या संस्कृति के लिखित कार्यों का निकाय।

हिंदी भाषा में 'साहित्य' शब्द जिस अर्थ में प्रयोग किया जाता है, उसके लिए अंग्रेजी में '्रीश्१३४१ी' शब्द तथा संस्कृत में 'वाङ्मय' शब्द प्रयुक्त करते हैं। सहित = स+हित = सहभाव, अर्थात हित का साथ होना ही साहित्य है। साहित्य शब्द अंग्रेजी के छ्रीश्१३४१ी का पयार्यी है। जिसकी उत्पत्ति लैटिन शब्द छी३३ीश१ से हुई है। साहित्य का अर्थ- 'साहित्य' शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत क 'धा' धातु में 'सम्' उपसर्ग और 'यत' प्रत्यय लगने से हुई है। साहित्य - स+हित+य के योग से बना है। डॉ. धीरेन्द्र वर्मा द्वारा संपादित 'हिंदी साहित्य कोश' के अनुसार 'साहित्य- सहित+यत प्रत्यय ; साहित्य का अर्थ है शब्द और अर्थ का यथावत सहभाव अर्थात साथ होना। शब्द और अर्थ का सहभाव ही साहित्य है। कुछ विद्वानों के अनुसार हितकारक रचना का नाम साहित्य है। साहित्य की अनेक परिभाषाएं हैं। पर साहित्य लिखने के पीछे मेरा उद्देश्य यह कि साहित्य हम उस रचना को कहेंगे। जो यथार्थ पर टिकी हुई हो। विशेष रूप से गद्य या पद्य में लेखन के रूप या अभिव्यक्ति की उत्कृष्टता वाले लेखन और स्थायी या सार्वभौमिक हित के विचारों को व्यक्त करना ही साहित्य की परिभाषा है। साहित्य समाज का दर्पण होता है। साहित्य को ₹रूप या अभिव्यक्ति की उत्कृष्टता वाले और स्थायी या सार्वभौमिक हित के विचारों को व्यक्त करने वाला लेखन₹ होना चाहिए। किसी विशेष भाषा, देश या उम्र में निर्मित लिखित कार्यों का निकाय।

साहित्य आमतौर पर कोई भी लिखित कार्य हो सकता है, लेकिन यह विशेष रूप से लेखन का एक कलात्मक या बौद्धिक कार्य है। यह चित्रकला, नृत्य, संगीत आदि जैसी ललित कलाओं में से एक है जो पाठकों को सौन्दर्यपरक आनंद प्रदान करती है। यह अन्य लिखित कार्यों से केवल इसकी एक अतिरिक्त विशेषता से भिन्न है: वह सौंदर्य सौंदर्य है। यदि किसी लिखित कार्य में सौन्दर्य सौन्दर्य का अभाव है और वह केवल उपयोगितावादी उद्देश्य की पूर्ति करता है तो वह साहित्य नहीं है। साहित्य मानव जीवन का प्रतिबिंब प्रस्तुत करता है। ज्ञान, मनोरंजन और संवेदना का स्रोत होता है। समाज को दिशा देने और जागरूक बनाने का कार्य करता है। भाषा को समृद्ध और संस्कारित बनाता है।

मानवीय मूल्यों एवं संस्कृति का संरक्षण करता है। साहित्य के प्रमुख रूप में काव्य के अंतर्गत कविता, गीत, महाकाव्य आदि हो सकते हैं। गद्य के अनुसार कहानी, उपन्यास, निबंध, नाटक, आत्मकथा आदि। हैं। साहित्य केवल शब्दों का संग्रह नहीं है, बल्कि मानव जीवन की अनुभूतियों और चिंतन का सृजनात्मक दस्तावेज है। यह व्यक्ति और समाज दोनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

डॉ.एस.ए.मंजुनाथ
प्रोफेसर एवं पत्रकार

सेवा, संवेदना और संस्कार का अनुपम उदाहरण

3240 जोड़े वस्त्र एकत्र कर श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन बहु मंडल ने निभाई मानवता की मिसाल

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता

बेंगलुरु। भारतीय संस्कृति में सेवा को सर्वोच्च धर्म माना गया है। जरूरतमंदों की सहायता कर उनके जीवन में आशा का दीप प्रज्वलित करना न केवल सामाजिक उत्तरदायित्व है, बल्कि आध्यात्मिक साधना का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। इसी भावना को साकार रूप देते हुए राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट (आर.) बेंगलुरु द्वारा संचालित ₹नीति वस्त्र भंडार₹ योजना समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्ग के लिए एक वरदान सिद्ध हो रही है।

इस अभिनव योजना के अंतर्गत घर-घर से पहनने योग्य उपयोगी वस्त्र एकत्रित कर उन्हें उन लोगों तक पहुंचाया जाता है, जिनके लिए सम्मानजनक वस्त्र भी एक बड़ी आवश्यकता होते हैं। सेवा, सहयोग और करुणा पर आधारित इस अभियान को विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं का निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है।

नीति वस्त्र भंडार के चेयरमैन भोपाल सोनवाडिया ने जानकारी देते हुए बताया कि विजय नगर क्षेत्र में सक्रिय श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन बहु मंडल ने इस अभियान में उल्लेखनीय योगदान देते हुए लगभग 3240 जोड़े वस्त्र एकत्रित किए हैं। यह कार्य केवल संग्रह तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज में सेवा और दान की भावना को जागृत करने का भी एक सफल प्रयास बना।

उन्होंने कहा कि बहु मंडल की सदस्याओं ने घर-घर संपर्क कर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया तथा लोगों को उपयोगी वस्त्र दान करने के लिए प्रेरित किया। परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में वस्त्र एकत्र हुए, जो अब जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाए जाएंगे।

इस पुनीत कार्य में मंडल की अध्यक्षा श्रीमती अलका लोढ़ा, मंत्री शिखा आंचलिया, कोषाध्यक्ष समता बोहरा, प्रचार-प्रसार मंत्री अनिता गुगलिया सहित संतोष कटारिया, मोनिका सुराणा, चंचल पोरवाल, सारिका गुंदेचा, सिंपल हिंगड़ तथा अन्य अनेक सदस्याओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। उनकी समर्पित सेवा और अथक परिश्रम ने इस अभियान को एक नई ऊंचाई प्रदान की।

इस अवसर पर राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, नीति वस्त्र भंडार के चेयरमैन भोपाल सोनवाडिया, सुरेश लखानी, राजेश श्री श्रीमाल तथा रतनी बाई मेहता ने श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन बहु मंडल की पूरी टीम को इस विशिष्ट योगदान के लिए धन्यवाद देते हुए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को भी सुदृढ़ करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान श्री वर्धमान स्थानकवासी संघ के अध्यक्ष रतनलाल सुराणा, सहमंत्री सुनील लोढ़ा, युवा अध्यक्ष सुरेंद्र गुंदेचा, मंत्री सुनील रांका सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने कहा कि धर्म का वास्तविक स्वरूप केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि पीड़ित और जरूरतमंद मानव की सेवा में ही उसकी सार्थकता निहित है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहयोग का संकल्प लेता है, तब सेवा एक आंदोलन का रूप धारण कर लेती है।

नीति वस्त्र भंडार₹ जैसी योजनाएं यह संदेश देती हैं कि हमारे घरों में अनुपयोगी पड़े वस्त्र किसी जरूरतमंद के लिए सम्मान और आत्मविश्वास का कारण बन सकते हैं। यही भावना भारतीय संस्कृति के ₹नर सेवा ही नारायण सेवा₹ के आदर्श को चरितार्थ करती है।

राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट ने समाज के सभी वर्गों से इस अभियान में सहभागी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा और संवेदना के ऐसे प्रयासों से ही एक समरस, संवेदनशील और सशक्त समाज का निर्माण संभव है।

महिला उद्यमिता को मिला प्रोत्साहन, फेबलस फैशन एग्जीबिशन के बैनर का अनावरण

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता

बेंगलुरु। महिला उद्यमियों को अपनी व्यावसायिक प्रतिभा प्रदर्शित करने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किए जाने वाले फेबलस फैशन शॉपिंग एग्जीबिशन के बैनर का अनावरण सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं गौमित्र महेंद्र मुणोत ने किया। यह दो दिवसीय एग्जीबिशन 4 एवं 5 जून को आयोजित होगा।

गत 13 वर्षों से महिला उद्यमियों को सशक्त मंच उपलब्ध करा रहे वीर इवेंट्स की संचालिकाओं पिंकी जैन एवं शीतल जैन ने इस अवसर पर महिलाओं को प्रोत्साहित करने में महेंद्र मुणोत के योगदान की सराहना की तथा उन्हें एग्जीबिशन के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया।

इस अवसर पर महेंद्र मुणोत ने कहा कि राष्ट्र की प्रगति में महिलाओं की भागीदारी और उनकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति को आगे बढ़ाने के लिए वीर इवेंट्स द्वारा निरंतर आयोजित किए जा रहे ऐसे कार्यक्रम सराहनीय एवं प्रेरणादायी हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह एग्जीबिशन महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों और कौशल को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगा तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में विश्व साइकिल दिवस पर निकली जागरूकता रैली

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के सप्ताहभर चल रहे कार्यक्रमों के अंतर्गत बुधवार को विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया। ईआईएसीपी केंद्र, वन्यजीव विज्ञान संस्थान (आईडब्ल्यूएस), लखनऊ विश्वविद्यालय ने नीवा फाउंडेशन के सहयोग से इस रैली का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण जागरूकता, ऊर्जा संरक्षण, सतत परिवहन और जलवायु परिवर्तन के प्रति लोगों को जागरूक करना था। रैली को लखनऊ विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 से ईआईएसीपी-आईडब्ल्यूएस की समन्वयक, प्राणी विज्ञान विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अमिता कनौजिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साइकिल चालक विश्वविद्यालय से राजभवन तक गए और वहां से वापस परिसर लौटे। इस दौरान प्रतिभागियों ने पर्यावरण-अनुकूल परिवहन और हरित जीवनशैली का संदेश दिया। रैली में कुल 120 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, शिक्षक, शोधार्थी, छात्र-छात्राएं, पुलिसकर्मी, एम्बुलेंस सेवा कर्मचारी और पर्यावरण प्रेमी शामिल रहे। प्रतिभागियों ने साइकिल को स्वच्छ, स्वस्थ और ऊर्जा-कुशल परिवहन का माध्यम बताते हुए इसके अधिक उपयोग पर जोर दिया। कार्यक्रम में डॉ. विनीत मैक्सवेल डेविड, डॉ. विनीत, मुख्य प्रॉक्टर प्रो. असीश अवस्थी, प्रो. महेंद्र अग्निहोत्री, डॉ. साची राय, डॉ. करुणा शंकर कनौजिया, डॉ. संथिल, डॉ. आनंद पांडेय तथा नीवा फाउंडेशन के निदेशक के.एम. द्विवेदी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। आयोजकों के अनुसार, पर्यावरण सप्ताह के विभिन्न कार्यक्रमों में अब तक 500 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया है। यह पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और ऊर्जा बचत के प्रति लोगों की बढ़ती जागरूकता को दशार्ता है। पर्यावरण सप्ताह के तहत विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया। पुराने परिसर के सभी 18 छात्रावासों में शमी, सिंदूर और सावनी प्रजाति के तीन-तीन पौधे लगाए गए। इसके अलावा प्राणी विज्ञान विभाग और डीएसडब्ल्यू कार्यालय में भी पौधरोपण किया गया।

सुभासपा ने जारी की मीडिया पैनलिस्ट की सूची, अनिल राजभार और पियूष मिश्रा को बनाया राष्ट्रीय प्रवक्ता

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने संगठन को नई ऊर्जा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पार्टी के मुखिया और यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार के कैबिनेट मंत्री ओपी राजभार ने बुधवार को मीडिया में पार्टी का पक्ष रखने के लिए राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर प्रवक्ता की सूची जारी कर दी है। मंत्री ओपी राजभर ने कहा कि यह टीम पार्टी की विचारधारा, नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी। आगामी चुनावी तैयारियों और संगठनात्मक विस्तार में ये प्रवक्ता और पैनलिस्ट सक्रिय रूप से काम करेंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, चयनित पैनलिस्ट और प्रवक्ताओं को विभिन्न जिलों, महानगरों और बूथ स्तर पर पार्टी की बात को मजबूती से रखने की जिम्मेदारी दी गई है। सूची में शामिल नामों की विस्तृत जानकारी जल्द ही सार्वजनिक किए जाने की संभावना है। यह फैसला सुभासपा को आगामी राजनीतिक घटनाक्रम में बेहतर संचार और संगठनात्मक मजबूती प्रदान करेगा।

जून की शुरूआत के साथ ही बढ़ने लगी गर्मी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में जून की शुरूआत के साथ ही गर्मी बढ़ने लगी है। आज, बुधवार सुबह 7 बजे तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आज अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले छह दिनों में गर्मी और बढ़ सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। जिससे लोगों को तेज धूप और गर्म हवाओं का सामना करना पड़ सकता है। विभाग ने हीटवेव और वार्म नाइट का अलर्ट जारी किया है। सुबह से ही तेज धूप निकलने के कारण लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ रहा है। सुबह 8 बजे के बाद तापमान में तेजी से बढ़ोतरी शुरू हो गई और दोपहर तक इसके 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। फिलहाल आसमान साफ रहने के कारण बारिश की संभावना नहीं है। मौसम के ताजा आंकड़ों के अनुसार हवा की गति महज 2 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई, जिससे गर्म हवाओं से राहत मिलने की संभावना कम है। वहीं, आर्द्रता का स्तर 63 प्रतिशत रहने के कारण उमस भी लोगों को परेशान कर सकती है। पूवार्नुमान के मुताबिक गुरुवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री, शुक्रवार और शनिवार को 39 डिग्री तथा रविवार तक इसके 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। इसके साथ ही न्यूनतम तापमान 29 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक प्रदेश की राजधानी में मौसम शुष्क रहेगा और तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। ऐसे में दोपहर के समय घर से बाहर निकलने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी जा रही है।

कंटेनर की टक्कर से साइकिल सवार महिला की मौत,पति गंभीर रुप से घायल

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के महिंगवां थाना क्षेत्र में बुधवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कुम्हारवा रोड पर तेज रफ्तार कंटेनर की टक्कर से साइकिल सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क पर हंगामा किया, जिससे यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने कंटेनर और चालक को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दंपति साइकिल से जा रहे थे, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार कंटेनर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि उसके पति को गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही मृतका के परिजन और स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। परिजनों ने सड़क पर हंगामा करना शुरू कर दिया और शव को उठाने से मना कर दिया। इस कारण कुम्हारवा रोड पर यातायात भी बाधित हो गया। महिंगवां थाना पुलिस और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने कंटेनर और उसके चालक को हिरासत में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, परिजनों से बातचीत जारी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा और मामले में नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बीकॉम छात्र ने फांसी लगाकर दी जान,पंखे से लटका मिला शव

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के मड़ियांव थाना क्षेत्र स्थित भारत नगर पानी की टंकी इलाके में बीकॉम अंतिम वर्ष के 22 वर्षीय छात्र महेंद्र कुमार ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों के अनुसार, तीन वर्ष पहले मां के निधन के बाद से वह डिप्रेशन में रहने लगा था। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। मृतक महेंद्र के पिता देवी प्रसाद सब्जी विक्रेता हैं। महेंद्र तीन भाइयों में सबसे बड़ा था, जबकि उसके छोटे भाई जितेंद्र और आकाश हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों के मुताबिक महेंद्र की मां शारदा का तीन साल पहले 14 जून को निधन हो गया था। मां की मौत के बाद से वह अवसाद में रहने लगा था। बुधवार को घर पर छोटा भाई आकाश मौजूद था। काफी देर तक महेंद्र कमरे से बाहर नहीं निकला तो आकाश ने देखा कि वह पंखे से रस्सी के सहारे लटका हुआ है। आकाश ने तत्काल पिता देवी प्रसाद को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का कहना है कि मां की मौत के बाद से महेंद्र गुमसुम रहने लगा था। वह पहले की तुलना में कम लोगों से बातचीत करता था और अक्सर अकेला रहता था।

अमृतवाणी

निरखत अंक स्यामसुंदर के बारबार लावति छाती।
लोचन-जल कागद-मसि मिलि कै ह्वै गई स्याम स्याम की पाती॥
गोकुल बसत संग गिरिधर के कबहुँ बयारि लगी नहिं ताती।
तब की कथा कहा कहौं, ऊधो, जब हम बेनुनाद सुनि जाती॥
हरि के लाड़ गनति नहि काहू निसिदिन सुदिन रासरसमाती।
प्राननाथ तुम कब धौं मिलोगे सूरदास प्रभु बालसँघाती॥

गोपियाँ उद्धव द्वारा श्रीकृष्ण के पत्र को प्राप्त करके, उनके लिखे अक्षरों को देख-देखकर पत्र को बार-बार अपनी छाती से लगा लेती हैं। पत्र को देखते ही उनके नेत्रों से सात्विक अनुभाव के कारण प्रेमाश्रु प्रवाहित होने लगे-इससे कागज की स्याही आँसुओं के मिल जाने से फैल गई है और श्रीकृष्ण का पत्र श्यामवर्ण हो गया। वे सब उद्धव से कहने लगीं, हे उद्धव, जब श्याम सुंदर गोकुल में रहते थे तो उनके साथ हम लोगों को कभी भी गर्म हवा नहीं लगी (कभी भी दुःख का अनुभव नहीं किया) और उस समय की चर्चा तुमसे क्या करें जब हम सब अपने-अपने घर के कार्यों की परवाह न करके उनकी मधुर वंशी-ध्वनि को सुन कर दौड़ पड़ती थीं। श्रीकृष्ण के प्रेम में दीवानी हम सब किसी को कुछ नहीं समझती थीं और रात-दिन हम सब रास के आनंद में उन्मत्त रहा करती थीं।

(सूरवाणी)
डॉ.एस.ए.मंजुनाथ
प्रोफेसर एवं पत्रकार

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु ,गुरूवार ,04 जून 2026

सम्पादकीय

ट्रंप और नेतन्याहू की नीतियों से परेशान दुनिया

लेबनान पर इजरायल के हमले ने पश्चिम एशिया में हालात और बिगाड़ दिए हैं। इजरायली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू के बढ़ते युद्धोन्माद को अब तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सही ठहराते आए हैं, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि ट्रंप ने भस्मासुर खड़ा करके अपने लिए मुसीबत मोल ले ली है। हम नहीं जानते कि ट्रंप ने भस्मासुर जैसी कोई कहानी कभी सुनी है या नहीं, लेकिन अपने लंबे जीवन अनुभव से उन्होंने इतना तो सीखा ही होगा कि बुराई का फल बुराई के रूप में ही वापस मिलता है। दरअसल लेबनान पर इजरायल के हमले रुक ही नहीं रहे हैं, हाल ही में इजरायल ने लेबनान के दहिये और बेरूत पर बमबारी करने की धमकी दी है और वहां के निवासियों के लिए इलाका खाली करने की चेतावनी जारी की है। इस पर ईरान ने भी कहा है कि इसे किसी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है, साथ ही इजरायल के उत्तरी इलाके पर पलटवार करने का इरादा जताते हुए वहां के निवासियों को बचने के लिए सुरक्षित स्थान जाने की सलाह दी है। ईरान ने अमेरिका से जब पहली बार अस्थायी संघर्ष विराम पर सहमति दी थी तो उसकी शर्तों में लेबनान पर इजरायल के हमले रोकना भी शामिल था। लेकिन बेंजामिन नेतन्याहू इसका लगातार उल्लंघन कर रहे हैं, इस पर अब डोनाल्ड ट्रंप का गुस्सा फूट पड़ा है। सोमवार को खबर आई कि ट्रंप ने फोन कॉल पर ही नेतन्याहू को कड़ी फटकार लगाई और यहां तक कह दिया कि, श्तुम पूरी तरह पागल हो चुके हो, तुम्हारी इन हरकतों की वजह से आज की तारीख में हर कोई तुमसे नफरत करता हैश बताया जा रहा है कि व्हाइट हाउस ने इजरायल को लेबनान की राजधानी बेरूत के अंदर ग्राउंड ऑपरेशन और हवाई हमलों को तुरंत रोकने के लिए कड़ा दबाव बनाया। जिसके बाद इजरायल बेरूत में अपने सैन्य कदम रोकने के लिए राजी हुआ है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि नेतन्याहू पर किस किस्म का दबाव ट्रंप बना सकते हैं, क्योंकि दावा तो यही है कि नेतन्याहू एपस्टीन फाइल्स के नाम पर ट्रंप को दबाव में रखे हुए हैं। हालांकि नेतन्याहू अंतरराष्ट्रीय युद्ध अपराधी हैं, और उन के सिर पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है, कई देशों में उनके जाने पर प्रतिबंध है, तो मुमकिन है ट्रंप ने उन पर ऐसा ही कोई दबाव बनाया हो। बता दें कि नेतन्याहू को अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने 21 नवंबर 2024 को युद्ध अपराधी घोषित कर उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। इन वारंट्स में उन पर गजा में युद्ध के तरीके के रूप में भुखमरी का उपयोग करने और नागरिकों पर जानबूझ कर हमले करने जैसे युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप लगाए गए हैं। बहरहाल, ट्रंप और नेतन्याहू में से किसने, किस पर, कौन सा दबाव बनाया, इसका खुलासा तो शायद ही कभी हो, लेकिन इन दोनों की युद्धपिपासु प्रवृत्ति ने पूरी दुनिया को बड़ी तबाही की तरफ धकेल दिया है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान को मजबूरन होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग बंद करना पड़ा, ताकि दुनिया में तेल की आपूर्ति बाधित हो तो इन दोनों देशों को युद्ध की कीमत चुकाने का अहसास हो। हालांकि वेनेजुएला के तेलस्रोतों पर कब्जा करके या रूस से तेल न खरीदने का दबाव बनाकर अमेरिका अब तक अपनी दादागिरी को चला रहा है। लेकिन अब उसकी जिद भी कहीं न कहीं टूट रही है। ट्रंप जाहिर तौर पर तो ईरान के खिलाफ आक्रामक बयानबाजी कर रहे हैं, लेकिन कभी अस्थायी युद्धविराम, इस्लामाबाद शांति वार्ता आदि के अलावा अन्य तरीकों से भी समझौतों की कोशिश में लगे हैं। ईरान पर युद्ध में अमेरिका को जितना आर्थिक और सामरिक नुकसान हुआ है, उससे अपने ही देश में ट्रंप घिर चुके हैं। ऐसे में इजरायल की बेवजह आक्रामकता से ईरान के साथ क्षेत्रीय शांति स्थापित करने की अमेरिका की पूरी कूटनीति दांव पर लग गई है, यह ट्रंप समझ रहे हैं। लेबनान पर इजरायल के हमलों के विरोध में ईरान ने ओमान और अन्य माध्यमों से अमेरिका के साथ चल रही अपनी परोक्ष शांति वार्ता को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स से जुड़ी मीडिया एजेंसी श्तस्नीमश ने साफ किया है कि जब तक लेबनान और गजा में इजरायल के हमले पूरी तरह नहीं रुकते और ईरान के सहयोगियों के हितों की रक्षा नहीं होती, तब तक अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। ईरान ने दो टूक कहा है कि- एक मोर्चे पर युद्धविराम का उल्लंघन, सभी मोर्चों पर युद्धविराम का उल्लंघन माना जाएगा। इसके अलावा ईरान अपने सहयोगी यमन के हूती समूह के जरिए बाब अल-मंदाब समुद्री रास्ते को भी बंद करने की चेतावनी दी है। होर्मुज के बाद अगर बाब अल-मंदाब भी बंद हुआ तो दुनिया अकल्पनीय नुकसान में पड़ जाएगी। यमन (एशिया) और जिबूती-इरिट्रिया (अफ्रीका) के बीच स्थित यह जलमार्ग लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है और आगे स्वेज नहर तक जाता है। इस संकरे रास्ते से दुनिया के कुल समुद्री व्यापार के करीब 30 प्रतिशत कंटेनर ट्रैफिक गुजरते हैं।

आखिर क्यों खंड-खंड हो रही टीएमसी?

तृणमूल कांग्रेस 15 वर्षों तक सत्ता में रही। यही सत्ता उसके संगठनात्मक अंतर्विरोधों को ढकने का सबसे बड़ा कारण थी। सत्ता का आकर्षण और सत्ता का भय दोनों ने नेताओं को पार्टी में बनाए रखा। जो नेता पार्टी छोड़कर गए, उनके साथ प्रशासन और पुलिस का व्यवहार कैसा रहा, यह किसी से छिपा नहीं है तृणमूल कांग्रेस का पूरा नाम ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस है, लेकिन चुनाव आयोग से उसे क्षेत्रीय दल की मान्यता प्राप्त है। सवाल यह है कि क्या यह वास्तव में एक राजनीतिक दल थी या फिर एक निजी कंपनी की तरह संचालित होने वाला संगठन? आलोचकों का आरोप रहा है कि इसकी चेयरपर्सन ममता बनर्जी थीं, मैनेजिंग डायरेक्टर अभिषेक बनर्जी, जबकि निर्णय प्रक्रिया पर एक सीमित समूह का प्रभाव था। तृणमूल कांग्रेस 15 वर्षों तक सत्ता में रही। यही सत्ता उसके संगठनात्मक अंतर्विरोधों को ढकने का सबसे बड़ा कारण थी। सत्ता का आकर्षण और सत्ता का भय दोनों ने नेताओं को पार्टी में बनाए रखा। जो नेता पार्टी छोड़कर गए, उनके साथ प्रशासन और पुलिस का व्यवहार कैसा रहा, यह किसी से छिपा नहीं है। शुभेंदु अधिकारी से लेकर अर्जुन सिंह तक अनेक नेताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें राजनीतिक रूप से निशाना बनाया गया और विभिन्न मामलों में उलझाया गया। पार्टी से अलग होने वाले प्रमुख नेताओं पर नजर डालें तो 2017 में मुकुल रॉय, 2019 में अर्जुन सिंह, 2020 में शुभेंदु अधिकारी, शिशिर अधिकारी, दिव्येंदु अधिकारी, सब्यसाची दत्ता और जितेंद्र तिवारी, 2021 में दिनेश त्रिवेदी, सोनाली गुहा और राजीव बनर्जी, तथा 2024 में तापस रॉय ने तृणमूल कांग्रेस का साथ छोड़ा। इनमें से कुछ नेता बाद में परिस्थितिवश वापस भी लौटे। ममता बनर्जी के पुराने और भरोसेमंद सहयोगियों को लेकर यह शिकायत लंबे समय से रही कि अभिषेक बनर्जी के दौर में उनकी भूमिका सीमित होती चली गई। स्वयं ममता बनर्जी भी सार्वजनिक रूप से यह कह चुकी हैं कि कई लोग उनसे अभिषेक को राजनीति से दूर रखने की सलाह देते थे। दूसरी ओर, अभिषेक बनर्जी की अपनी एक टीम थी, जो संगठन और सत्ता दोनों में प्रभावशाली मानी जाती थी। लेकिन आज वही टीम लगभग अदृश्य दिखाई दे रही है। डायमंड हार्बर में अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के दौरान और उसके बाद भी उनके कई करीबी नेता सक्रिय नहीं दिखे। इसके पीछे एक कारण यह भी माना जा सकता है कि इन नेताओं ने अपना राजनीतिक भविष्य अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व से जोड़ रखा था। उन्हें उम्मीद थी कि ममता बनर्जी के बाद वही पार्टी और सरकार का नेतृत्व करेंगे। सत्ता परिवर्तन के साथ यह संभावना भी कमजोर पड़ गई। यदि इस टूट और बिखराव के लिए किसी एक व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की जाए, तो आरोपों का केंद्र अभिषेक बनर्जी बनते हैं। उनकी कार्यशैली को लेकर पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता सहज नहीं थे। ममता बनर्जी का प्रभाव और प्रशासनिक कार्रवाई का भय असंतोष को दबाए हुए था। सत्ता से बेदखली के साथ ही यह भय समाप्त हो गया और वर्षों से जमा असंतोष बाहर आने लगा। सत्ता गंवाने के 48 घंटे के भीतर ममता बनर्जी ने अपने आवास पर विधायकों की बैठक बुलाई। बताया जाता है कि 80 विधायकों में से केवल 19 विधायक ही पहुंचे। 2 जून के धरना-प्रदर्शन में भी 120 जनप्रतिनिधियों में से मात्र 14 की उपस्थिति दर्ज हुई। 29 लोकसभा सांसदों में केवल 2 और 13 राज्यसभा सांसदों में केवल 4 सांसद मौजूद थे। यह उपस्थिति स्वयं संगठन की मौजूदा स्थिति का संकेत देती है। यह घटनाक्रम पहली नजर में महाराष्ट्र की राजनीति जैसा दिखाई देता है, लेकिन दोनों परिस्थितियों में मूलभूत अंतर है। महाराष्ट्र में दल-बदल का उद्देश्य सत्ता में भागीदारी हासिल करना था, जबकि पश्चिम बंगाल में भाजपा स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में है। ऐसे में टूटकर अलग होने वाले नेताओं के सामने तत्काल सत्ता प्राप्ति का अवसर नहीं, बल्कि विपक्षी राजनीति की भूमिका है। ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की नजर में इस घटनाक्रम के प्रमुख सूत्रधार ऋतोब्रत्तो बंदोपाध्याय हो सकते हैं, लेकिन असली प्रश्न इससे कहीं बड़ा है। इतनी बड़ी संख्या में विधायक और नेता क्यों अलग हुए? अभिषेक बनर्जी के करीबी माने जाने वाले नेता भी क्यों दूर हो गए? इन सवालों का सबसे बड़ा उत्तर शायद यही है कि पार्टी के भीतर संवाद और असहमति की गुंजाइश लगातार कम होती गई। निर्णय प्रक्रिया कुछ व्यक्तियों तक सीमित होती चली गई। जब कार्यकताओं और नेताओं को अपनी बात रखने का अवसर नहीं मिलता, तब संगठन धीरे-धीरे राजनीतिक दल से अधिक एक नियंत्रित संरचना में बदल जाता है। और ऐसी संरचनाओं का बिखराव अक्सर अचानक नहीं, बल्कि लंबे समय से जमा असंतोष का परिणाम होता है।

तृणमूल कांग्रेस 15 वर्षों तक सत्ता में रही। यही सत्ता उसके संगठनात्मक अंतर्विरोधों को ढकने का सबसे बड़ा कारण थी। सत्ता का आकर्षण और सत्ता का भय दोनों ने नेताओं को पार्टी में बनाए रखा। जो नेता पार्टी छोड़कर गए, उनके साथ प्रशासन और पुलिस का व्यवहार कैसा रहा, यह किसी से छिपा नहीं है। शुभेंदु अधिकारी से लेकर अर्जुन सिंह तक अनेक नेताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें राजनीतिक रूप से निशाना बनाया गया और विभिन्न मामलों में उलझाया गया। पार्टी से अलग होने वाले प्रमुख नेताओं पर नजर डालें तो 2017 में मुकुल रॉय, 2019 में अर्जुन सिंह, 2020 में शुभेंदु अधिकारी, शिशिर अधिकारी, दिव्येंदु अधिकारी, सब्यसाची दत्ता और जितेंद्र तिवारी, 2021 में दिनेश त्रिवेदी, सोनाली गुहा और राजीव बनर्जी, तथा 2024 में तापस रॉय ने तृणमूल कांग्रेस का साथ छोड़ा। इनमें से कुछ नेता बाद में परिस्थितिवश वापस भी लौटे। ममता बनर्जी के पुराने और भरोसेमंद सहयोगियों को लेकर यह शिकायत लंबे समय से रही कि अभिषेक बनर्जी के दौर में उनकी भूमिका सीमित होती चली गई। स्वयं ममता बनर्जी भी सार्वजनिक रूप से यह कह चुकी हैं कि कई लोग उनसे अभिषेक को राजनीति से दूर रखने की सलाह देते थे। दूसरी ओर, अभिषेक बनर्जी की अपनी एक टीम थी, जो संगठन और सत्ता दोनों में प्रभावशाली मानी जाती थी। लेकिन आज वही टीम लगभग अदृश्य दिखाई दे रही है। डायमंड हार्बर में अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के दौरान और उसके बाद भी उनके कई करीबी नेता सक्रिय नहीं दिखे। इसके पीछे एक कारण यह भी माना जा सकता है कि इन नेताओं ने अपना राजनीतिक भविष्य अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व से जोड़ रखा था। उन्हें उम्मीद थी कि ममता बनर्जी के बाद वही पार्टी और सरकार का नेतृत्व करेंगे। सत्ता परिवर्तन के साथ यह संभावना भी कमजोर पड़ गई। यदि इस टूट और बिखराव के लिए किसी एक व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की जाए, तो आरोपों का केंद्र अभिषेक बनर्जी बनते हैं। उनकी कार्यशैली को लेकर पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता सहज नहीं थे। ममता बनर्जी का प्रभाव और प्रशासनिक कार्रवाई का भय असंतोष को दबाए हुए था। सत्ता से बेदखली के साथ ही यह भय समाप्त हो गया और वर्षों से जमा असंतोष बाहर आने लगा। सत्ता गंवाने के 48 घंटे के भीतर ममता बनर्जी ने अपने आवास पर विधायकों की बैठक बुलाई। बताया जाता है कि 80 विधायकों में से केवल 19 विधायक ही पहुंचे। 2 जून के धरना-प्रदर्शन में भी 120 जनप्रतिनिधियों में से मात्र 14 की उपस्थिति दर्ज हुई। 29 लोकसभा सांसदों में केवल 2 और 13 राज्यसभा सांसदों में केवल 4 सांसद मौजूद थे। यह उपस्थिति स्वयं संगठन की मौजूदा स्थिति का संकेत देती है। यह घटनाक्रम पहली नजर में महाराष्ट्र की राजनीति जैसा दिखाई देता है, लेकिन दोनों परिस्थितियों में मूलभूत अंतर है। महाराष्ट्र में दल-बदल का उद्देश्य सत्ता में भागीदारी हासिल करना था, जबकि पश्चिम बंगाल में भाजपा स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में है। ऐसे में टूटकर अलग होने वाले नेताओं के सामने तत्काल सत्ता प्राप्ति का अवसर नहीं, बल्कि विपक्षी राजनीति की भूमिका है। ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की नजर में इस घटनाक्रम के प्रमुख सूत्रधार ऋतोब्रत्तो बंदोपाध्याय हो सकते हैं, लेकिन असली प्रश्न इससे कहीं बड़ा है।

विश्व साइकिल दिवस जीवन के लिए जरूरी साइकिल का साथ

कुमार सिद्धार्थ

3 जून को विश्व साइकिल दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस दिवस को इसलिए मान्यता दी ताकि दुनिया को यह याद दिलाया जा सके कि साइकिल केवल दोपहियों वाला साधारण वाहन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक बचत और टिकाऊ विकास का प्रभावी साधन है। आज जब दुनिया पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों, ऊर्जा संकट, प्रदूषण, और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है, तब साइकिल फिर से चर्चा के केंद्र में आ गई है। एक समय था, जब साइकिल भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में आम आदमी के जीवन का अभिन्न हिस्सा थी। आधुनिकता की दौड़ में मोटर वाहनों की चमक-दमक के बीच साइकिल धीरे-धीरे सड़कों से हाशिये पर चली गई। अब दुनिया फिर समझ रही है कि विकास का अर्थ केवल तेज रफ्तार वाहन नहीं, बल्कि ऐसे साधन भी हैं, जो टिकाऊ हों और समाज के लिए लाभकारी हों। आज जब पर्यावरण संरक्षण और श्ग्रीन मोबिलिटीश की बात होती है, तो इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी तकनीक, चार्जिंग स्टेशन और नई परिवहन योजनाओं की खूब चर्चा होती है। सरकारें इलेक्ट्रिक कारों और दो पहिया वाहनों को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं बना रही हैं। शहरों में चार्जिंग प्वाइंट स्थापित किए जा रहे हैं, लेकिन अफसोस है कि इन चचाओं के बीच पर्यावरण-अनुकूल साधन, पारंपरिक साइकिल अक्सर गायब हो जाती है। साइकिल ऐसा वाहन है, जिसे न पेट्रोल चाहिए, न डीजल, न बैटरी और न ही कोई चार्जिंग-स्टेशन। यह पूरी तरह मानव ऊर्जा पर आधारित है। इसके बावजूद शहरी परिवहन योजनाओं में इसे वह प्राथमिकता नहीं मिलती, जिसकी यह हकदार है। कई शहरों में श्साइकिल लेनश की योजनाएं बनीं, लेकिन अनेक जगहों पर वे अतिक्रमण, खराब डिजाइन और उपेक्षा के कारण सफल नहीं हो सकीं। साइकिल केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि एक समय सामाजिक समानता और सादगी का प्रतीक भी रही है। एक दौर में शिक्षक, विद्यार्थी, कर्मचारी, किसान और छोटे अधिकारी सभी साइकिल से यात्रा करते थे। इसमें वर्ग भेद कम दिखाई देता था। यही कारण है कि कई विचारकों ने साइकिल को लोकतांत्रिक वाहन कहा। वर्ष 1960 के बाद जैसे-जैसे मोटर वाहनों की संख्या बढ़ी, साइकिल पीछे छूटने लगी। कारें और बड़े वाहन आधुनिकता और उपभोक्तावाद के प्रतीक बन गए। धीरे-धीरे साइकिल को पिछड़ेपन से जोड़कर देखा जाने लगा। परिणाम यह हुआ कि सड़कों पर कारों का कब्जा बढ़ता गया और साइकिल हाशिये पर चली गई। आज फिर परिस्थितियां बदल रही हैं। दुनिया समझ रही है कि महंगे ईंधन, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु संकट के दौर में साइकिल पिछड़ेपन का नहीं, बल्कि समझदारी और टिकाऊ जीवन शैली का प्रतीक है। भारत आज भी दुनिया के बड़े साइकिल उपयोग करने वाले देशों में शामिल है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार देश में दस से 12 करोड़ से अधिक परिवारों के पास साइकिल उपलब्ध है। ग्रामीण भारत में इसका उपयोग और भी अधिक है। साइकिल उद्योग के आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर साल एक करोड़ से अधिक नई साइकिलों की बिक्री होती है। पंजाब का लुधियाना देश के साइकिल निर्माण का बड़ा केंद्र माना जाता है। भारत दुनिया के बड़े साइकिल उत्पादक देशों में भी शामिल है। दुनियाभर में साइकिल की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व में एक अरब से अधिक साइकिलें उपयोग में हैं। यूरोप, चीन, जापान और एशिया के कई देशों में साइकिल रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा है। कई देशों में लाखों लोग प्रतिदिन साइकिल से अपने कार्यस्थल पहुंचते हैं। भारत में भी साइकिल प्रेमियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अब साइकिल केवल ग्रामीण या गरीब का वाहन नहीं रही, बल्कि शहरों में भी आर्थिक रूप से सम्पन्न युवा, पेशेवर, फिटनेस प्रेमी और पर्यावरण के प्रति जागरूक लोग इसे अपना रहे हैं। आज दुनिया ऊर्जा संकट के दौर से गुजर रही है। अंतरराष्ट्रीय तनाव, युद्ध और आपूर्ति बाधाओं का असर सीधे पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता और कीमतों पर पड़ता है। भारत जैसे देशों में, जहां बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पाद आयात किए जाते हैं, इसका असर आम आदमी की जेब पर साफ दिखाई देता है। इनकी कीमतें बढ़ने से न केवल यात्रा महंगी होती है, बल्कि परिवहन लागत बढ़ने से महंगाई भी बढ़ती है। ऐसे में साइकिल एक विकल्प है, जो पूरी तरह ईंधन मुक्त है। छोटी दूरी के लिए अगर लोग साइकिल अपनाएं, तो ईंधन की खपत कम होगी, घरेलू खर्च घटेगा। यही कारण है कि ऊर्जा संकट के दौर में साइकिल फिर भविष्य के परिवहन के रूप में देखी जा रही है। देश-दुनिया में कई नेता, अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता साइकिल से आने-जाने या सार्वजनिक साइकिल अभियानों में भाग लेने का संदेश देते रहे हैं। यह केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि एक संकेत है कि सुविधा और जिम्मेदारी के बीच संतुलन संभव है। आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट जलवायु परिवर्तन है। पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहन बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य हानिकारक गैसें छोड़ते हैं, जिससे वातावरण प्रदूषित होता है और धरती का तापमान बढ़ता है। साइकिल इस समस्या का सबसे सरल समाधान है।

अमेरिका के सामने भारत इतना दब्बू पहले कभी नहीं रहा

अनिल जैन

यह तय करना निर्वाचित केंद्र सरकार का अधिकार है कि भारत अपनी विदेश नीति में किस दुनिया के किन देशों से अपने रिश्तों को प्राथमिकता दे। फिर भी भारत में विदेश नीति को लेकर हमेशा आम सहमति रही है और सरकारें बदलने पर बाकी नीतियां भले ही बदलती रही हों लेकिन वैदेशिक नीति के मामले में निरंतरता रही है। दुर्भाग्य से यह सिलसिला 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद टूट गया। भारत ने न सिर्फ अपनी गुट निरपेक्षता की नीति को छोड़ दिया बल्कि उसने अपने पारंपरिक मित्र देशों से भी बहुत हद तक दूरी बनाकर खुद को पूरी तरह अमेरिका पर निर्भर बना लिया। यह सही है कि सोवियत संघ के बिखरने के बाद भारत की अमेरिका से निकटता बढ़ गई, जिसका वामपंथी दलों के अलावा देश के किसी भी राजनीतिक दल ने विरोध नहीं किया। हाल के दिनों में तो यह नीतिगत झुकाव इस हद तक बढ़ गया है कि भारत सरकार की ओर से सामरिक और व्यापारिक मामलों में अमेरिका ही फैसले लेता दिखने लगा है। यह अफसोसनाक है कि ऑपरेशन सिंदूर के वक्त युद्धविराम से लेकर आज तक अनेक महत्वपूर्ण फैसलों का ऐलान अमेरिकी प्रशासन ने भारत सरकार के कुछ कहने से पहले कर दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तो 50 से ज्यादा मौकों पर इस बात को दोहराया कि उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री को भारत से व्यापार बंद करने की धमकी देकर युद्धविराम के लिए राजी किया। ट्रम्प के इस कथन का भारत की ओर से विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने जरूर दबे स्वरों में खंडन किया और कहा कि श्भारत ने

युद्धविराम का फैसला पाकिस्तान के अनुरोध पर किया था, किसी के दबाव में नहीं।श मगर मोदी ने आज तक अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान का प्रतिवाद नहीं किया है। इस बीच ट्रम्प ने मोदी को अपमानित करने जैसे कुछ बयान भी दिए। मसलन, उन्होंने कहा कि, वे चाहें तो मोदी का कॅरियर तबाह कर सकते हैं, लेकिन वे ऐसा नहीं करेंगे। उनके इस आपत्तिजनक बयान पर भी प्रधानमंत्री खामोश रहे। यही नहीं, इसके बाद भारत और अमेरिका के बीच दोपक्षीय व्यापारिक समझौते पर बनी सहमति और उस समझौते की शर्तों का एकतरफा ऐलान भी अमेरिका की ओर से ही कर दिया गया। हालांकि उस समझौते की कई शर्तें विवादास्पद और भारतीय हितों के खिलाफ हैं। फिर भी भारत सरकार आज तक देश को उसका कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार कह चुके हैं कि उन्होंने भारत को रूस और ईरान से तेल खरीदने के लिए मना कर दिया है लेकिन उनके इस बयान का जवाब भी भारत सरकार की ओर से चुप्पी साधकर ही दिया गया। इसके बाद इस सिलसिले में नई कड़ी हाल ही में भारत यात्रा पर आने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जोड़ी, जब उन्होंने वॉशिंगटन में ही यह ऐलान कर दिया कि भारत वेनेजुएला से तेल खरीदेगा और जल्द ही वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोडिगेज नई दिल्ली जाएंगी। पिछले महीने की 23 तारीख को चार दिनों के लिए भारत आने के बाद मार्को रुबियो ने तो यह घोषणा भी कर डाली कि भारत पांच साल में अमेरिका से 500 बिलियन डॉलर की खरीदारी करेगा। पहले बताया गया था कि यह खरीदारी अमेरिका से होने वाले दोपक्षीय व्यापार समझौते का हिस्सा होगी। तब ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ वॉर के खिलाफ अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला नहीं आया था। जब फैसला आया तो उसने व्यापार समझौते की पूरी पृष्ठभूमि बदल डाली। बहरहाल, समझौता अभी कहीं अटका हुआ है, जबकि खरीदारी की शर्त पर भारत के सहमत होने की घोषणा रुबियो ने कर डाली है। इस पर भारत सरकार की ओर से विरोध न जताया जाना उनकी बात की पुष्टि के रूप में ही देखा जा सकता है। ऐसे और भी उदाहरण भी हैं, जिनसे अमेरिका दोपक्षीय एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को अपने ढंग से पुनर्परिभाषित करता दिख रहा है। जाहिर है कि वह अपने मित्र अथवा सहयोगी देशों को अपने मातहत दिखाकर अपनी नव-औपनिवेशिक नीति को आगे बढ़ाता मालूम पड़ रहा है। सवाल है कि क्या मोदी सरकार इसमें सहभागी बनने को तैयार है? यह सवाल देश के बड़े जनमत को बेचैन कर रहा है। अमेरिका के सामने भारत की यह स्थिति तब है जब अमेरिका अपना महाशक्ति होने का रुतबा गंवा रहा है। उसकी यह स्थिति ईरान से जारी उसके युद्ध के दौरान साफ दिख रही है।

नशे पर शिकंजा

निस्संदेह, नशे का निरंतर फैलता काला कारोबार एक राष्ट्रीय संकट है। देश के विभिन्न भागों में करोड़ों-अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं इस अभियान का सुखद पहलू यह है कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, इस कोशिश को प्रतिबंधित संगठन जमाते-ए-इस्लामी के एक गुट का भी समर्थन मिला है। कहना कठिन है कि इस समर्थन का हकीकत में असर कितना होगा। लेकिन इस घोषणा ने सकारात्मक संदेश जरूर दिया है कि समाज के विभिन्न वर्गों के सामूहिक प्रयासों से ही इस भयावह होते संकट का मुकाबला किया जा सकता है। सही मायने में समाज में व्याप्त तमाम वैचारिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए, सामूहिक व निरंतर प्रयासों से ही नशा मुक्ति की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। वास्तव में नशा विरोधी अभियान के मार्ग में बाधा पैदा करने वाली जटिलताओं के मुकाबले के लिये कुछ दिन, कुछ माह के अभियान के बजाय साल में 365 दिन चलने वाली रणनीति अपनाने की जरूरत है। कभी-कभार चलाए जाने वाले अभियान इसके लक्ष्य को पाने में ज्यादा मददगार साबित नहीं हो सकते। इस संकट के समाधान के लिये नशे की लत के सामाजिक पहलुओं की भी व्यापक पड़ताल जरूरी है। कारगर समाधान हेतु सामाजिक स्तर पर रणनीति बनाने की जरूरत होती है। निस्संदेह, नशे की लत के तमाम कारण हमारे समाज में विद्यमान हैं। जिनके निराकरण की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। मसलन इस व्यसन के मूल में समाज में व्याप्त बेरोजगारी, निराशा, सामाजिक व आर्थिक असमानताएं, बुरी संगत का असर तथा मादक पदार्थों की समाज में आसान उपलब्धता आदि कारक निहित हैं। चिंताजनक है कि नशा अब स्कूल-कालेजों तक को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। कई राज्यों में नशे की आपूर्ति में बच्चों को इस्तेमाल करने के चिंताजनक उदाहरण सामने आए हैं। वहीं यदि नशा मुक्ति के लिये चलाये जा रहे पुनर्वास कार्यक्रमों में शिथिलता अपनायी जाती है तो सख्ती से हासिल होने वाली उपलब्धियां व्यर्थ हो जाती हैं। यह सत्य है कि नशा एक ऐसा रोग है, जिसका कोई आसान इलाज उपलब्ध नहीं है। जहां एक ओर नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर अंकुश लगाना जरूरी है, तो दूसरी ओर इसकी तलब को काबू करने के लिये भी प्रयास जरूरी हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नशे की डोज जुटाने के लिये कुछ छात्र व युवा अपराध की राहों में फिसल जाते हैं। इसलिये जरूरी हो जाता है कि नियमित रूप से नशा तस्करों और ड्रग पेडलरों की गिरफ्तारी करके तुरंत सजा दी जाए। वहीं दूसरी ओर नशे की खरीद-फरोख्त में संलिप्तता पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने, पासपोर्ट निरस्त करने से भी जहरीले कारोबार पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है। साथ ही सीमावर्ती संवेदनशील राज्यों में, जहां सीमा पार से नशे की तस्करी आतंकवाद को जिंदा रखने के लिये की जा रही है, वहां अतिरिक्त सावधानी की भी जरूरत है। नशा तस्करों की गिरफ्तारी के तुरंत बाद सजा देना, इस अभियान में मददगार साबित होगा।

मिल गया आंखों के बार- बार सूखने का कारण, सिर्फ फोन और स्क्रीन को मत दो दोष

अधिकांश लोग आंखों के सूखेपन का कारण फोन, लैपटॉप और टेलीविजन स्क्रीन को मानते हैं। स्क्रीन के संपर्क में आना निस्संदेह इसका एक प्रमुख कारण है, लेकिन नेत्र विशेषज्ञ कहते हैं कि यह एक व्यापक समस्या का मात्र एक छोटा सा हिस्सा है। आंखों में जलन, किरकिरापन, खुजली, लालिमा, अत्यधिक आंसू आना या ऐसा महसूस होना कि आंख में कुछ फंस गया है, अक्सर आंखों के सूखेपन के लक्षण हो सकते हैं। यह एक दीर्घकालिक स्थिति है जो दैनिक जीवन, उत्पादकता और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करती है।

ये है आंखों के सूखने का असली कारण

ड्राई आई बीमारी के सबसे ज्यादा नजरअंदाज किए जाने वाले कारणों में से एक, मीबोमियन ग्लैंड डिसफंक्शन नाम की स्थिति है। पलकों के किनारे मौजूद मीबोमियन ग्लैंड्स, ऐसे तेल बनाते हैं जो आंसुओं की सबसे बाहरी परत बनाते हैं। यह तैलीय परत, आंसुओं को भाप बनकर उड़ने से रोकती है और आँखों को नम रखने में मदद करती है। जब ये ग्लैंड्स बंद हो जाते हैं या ठीक से काम करना बंद कर देते हैं, तो आंसू बहुत तेजी से भाप बनकर उड़ जाते हैं, जिससे आंख की सतह खुली और परेशान महसूस होती है। कई छिपे हुए कारण भी इस बीमारी के होने और बढ़ने में अहम भूमिका निभाते हैं। ड्राई आई की समस्या, या तो आँसुओं की परत के तेजी से भाप बनकर उड़ जाने के कारण होती है, या फिर आँसुओं के कम बनने के कारण।

पीड़ित लोगों को जल्दी समझ नहीं आती समस्या

मीबोमियन ग्लैंड डिसफंक्शन से पीड़ित कई लोगों को तो यह पता भी नहीं चलता कि उन्हें यह समस्या है। उन्हें अक्सर नजर में उतार-चढ़ाव, आंखों में थकान, या बेचौनी महसूस होती है और एयर-कंडीशन्ड कमरों या हवादार जगहों पर ये लक्षण और भी ज्यादा बढ़ जाते हैं। छप्भ् द्वारा समर्थित रिसर्च में बताया गया है कि ड्राई आई बीमारी आमतौर पर तब होती है, जब आंसुओं की परत अस्थिर हो जाती है या बहुत तेजी से भाप बनकर उड़ जाती है, जिससे आंख की सतह का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। आंखों का सूखापन हमेशा आंखों की ही समस्या नहीं होती। कभी-कभी यह शरीर में होने वाले बदलावों का संकेत भी हो सकता है।

इन लोगों को ज्यादा खतरा

महिलाओं में, विशेषकर रजोनिवृत्ति के बाद, आंखों के सूखेपन के लक्षण होने की संभावना अधिक होती है क्योंकि हार्मोनल उतार-चढ़ाव आंसू उत्पादन और मेइबोमियन ग्रंथियों के कार्य दोनों को प्रभावित कर सकते हैं। एस्ट्रोजन और एंड्रोजन के स्तर में परिवर्तन स्वस्थ आंसू की परत को बनाए रखने के लिए आवश्यक नाजुक संतुलन को बिगाड़ सकते हैं। मधुमेह से पीड़ित कुछ लोगों को लगातार सूखापन महसूस होता है, भले ही उनकी आँखें सतह पर सामान्य दिखाई दें। अमेरिकी राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान ने कई अध्ययन प्रकाशित किए हैं जो मधुमेह और नेत्र सतह रोग के बीच मजबूत संबंध दशार्ते हैं, और मधुमेह से पीड़ित लोगों के लिए नियमित नेत्र परीक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हैं।

गर्भावस्था में रात-रात भर नहीं आती नींद? ये टिप्स हैं आपके काम की

अगर आप गर्भवती हैं और आपको रात-रात भर नींद नहीं आती है तो ये लेख आपके काम का होने वाला है। हम आपको बताएंगे कुछ ऐसी टिप्स जो आपके काम की हैं। गर्भावस्था महिलाओं के जीवन का एक बेहद खास दौर होता है, लेकिन इस दौरान शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव कई तरह की शारीरिक और

मानसिक चुनौतियां भी लेकर आते हैं। इन्हीं में से एक आम समस्या है रात में ठीक से नींद न आना। कई गर्भवती महिलाएं शिकायत करती हैं कि उन्हें रात-रात भर नींद नहीं आती, बार-बार नींद खुल जाती है या सोने में काफी समय लग जाता है। नींद की कमी न सिर्फ मां की सेहत को प्रभावित करती है, बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु के विकास पर भी असर डाल सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार तनाव, हार्मोनल बदलाव, बार-बार पेशाब आना, शरीर में दर्द और बढ़ता बेबी बंप नींद में बाधा डाल सकते हैं। अगर आप भी गर्भावस्था के दौरान अनिद्रा की समस्या से परेशान हैं, तो कुछ आसान और सुरक्षित उपाय आपकी मदद कर सकते हैं।

गर्भावस्था में अच्छी नींद के लिए अपनाएं ये टिप्स

1. सोने का नियमित समय तय करें

हर दिन एक ही समय पर सोने और जागने की कोशिश करें। इससे शरीर की जैविक घड़ी संतुलित रहती है और नींद जल्दी आने लगती है।

2. बाईं करवट सोने की आदत डालें

गर्भवती महिलाओं के लिए बाईं करवट सोना सबसे अच्छा माना जाता है। इससे गर्भ में पल रहे बच्चे तक रक्त और पोषक तत्वों का प्रवाह बेहतर होता है और शरीर को आराम मिलता है।

3. सोने से पहले मोबाइल और स्क्रीन से दूरी बनाएं

मोबाइल, टीवी और लैपटॉप से निकलने वाली ब्लू लाइट नींद को प्रभावित कर सकती है। सोने से कम से कम एक घंटा पहले स्क्रीन का उपयोग बंद कर दें।

4. हल्का और पौष्टिक भोजन करें

रात में ज्यादा मसालेदार या भारी भोजन करने से अपच और एसिडिटी की समस्या हो सकती है, जिससे नींद प्रभावित होती है। सोने से पहले हल्का भोजन करें।

5. कैफीन का सेवन कम करें

चाय, कॉफी और कैफीन युक्त पेय पदार्थ नींद में बाधा डाल सकते हैं। खासकर शाम के बाद इनका सेवन सीमित कर देना चाहिए।

6. रिलैक्सेशन तकनीक अपनाएं

हल्की स्ट्रेचिंग, गहरी सांस लेने की एक्सरसाइज और मेडिटेशन तनाव कम करने में मदद करते हैं। इससे मन शांत रहता है और नींद बेहतर आती है।

7. आरामदायक तकियों का इस्तेमाल करें

प्रेग्नेंसी के दौरान पेट और कमर को सहारा देने वाले तकिए इस्तेमाल करने से शरीर को आराम मिलता है और नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है।

नौकरी की वजह से दूर हैं पति-पत्नी? भूलकर भी न करें ये 5 गलतियां

बातचीत कम करना, भरोसे की कमी रखना, हर बात पर शक करना, एक-दूसरे को समय न देना, भविष्य की योजनाओं पर चर्चा न करना। इन गलतियों से रिश्ते में दूरी बढ़ सकती है और भावनात्मक जुड़ाव कमजोर हो सकता है। आज के समय में नौकरी, पढ़ाई, बिजनेस या अन्य पारिवारिक कारणों से कई पति-पत्नी को अलग-अलग शहरों या देशों में रहना पड़ता है। इसे लॉन्ग डिस्टेंस मैरिज या लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप कहा जाता है। हालांकि तकनीक ने दूरियों को कम करने का काम किया है, लेकिन इसके बावजूद ऐसे रिश्तों में कई तरह की चुनौतियां सामने आती हैं। जब पति-पत्नी लंबे समय तक एक-दूसरे से दूर रहते हैं तो गलतफहमियां, कम्युनिकेशन गैप, असुरक्षा की भावना और भावनात्मक दूरी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। कई बार छोटी-छोटी गलतियां रिश्ते में तनाव बढ़ा देती हैं और प्यार में दरार आने लगती है। रिलेशनशिप एक्सपट्र्स का मानना है कि लॉन्ग डिस्टेंस मैरिज को सफल बनाने के लिए भरोसा, संवाद और समझदारी बेहद जरूरी है। अगर दोनों पार्टनर कुछ बातों का ध्यान रखें तो हजारों किलोमीटर की दूरी भी रिश्ते की मजबूती को कम नहीं कर सकती। अगर आप भी नौकरी या किसी अन्य वजह से अपने जीवनसाथी से दूर रह रहे हैं, तो कुछ ऐसी गलतियों से बचना बेहद जरूरी है जो आपके रिश्ते को नुकसान पहुंचा सकती हैं। आइए जानते हैं कि लॉन्ग डिस्टेंस में पति-पत्नी को किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कम बातचीत

हर रिश्ते में संवाद जरूरी होता है। खासकर अगर कपल एक दूसरे से दूर हैं तो मीलों की दूरी उनके बीच कभी नहीं आए, इसलिए नियमित संवाद बेहद जरूरी है।

आप अपने पति या पत्नी से दूर कहीं भी रहें, लेकिन दिनभर की छोटी-बड़ी बातें शेयर करें।

समय-समय पर वीडियो कॉल और मैसेज के जरिए जुड़े रहें।

कई दिनों तक बिना बातचीत के न रहें।

संवाद की कमी गलतफहमियां बढ़ा सकती है।

भरोसे बनाना न भूलें

रिश्ते की सबसे मजबूत नींव विश्वास है। जब कपल एक दूसरे से दूर रहते हैं तो कई बार उनके मन में शक आ सकता है। ये गलती न करें, खासकर अगर आप लॉन्ग डिस्टेंस में हैं, वरना रिश्ते को संभालना मुश्किल हो जाता है।

हर समय पार्टनर पर शक न करें।

उनकी निजी जिंदगी और स्पेस का सम्मान करें।

बिना वजह निगरानी करने की आदत से बचें।

विश्वास रिश्ते को लंबे समय तक मजबूत बनाए रखता है।

व्यस्तता का बहाना न बनाएं

अगर आप अपने पार्टनर को समय न दे पाने, या उनसे बात न कर पाने पर व्यस्तता का बहाना बनाते हैं तो ये आपके रिश्ते के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद समय निकालें।

एक तय समय पर बातचीत करने की आदत बनाएं।

छोटे-छोटे सरप्राइज रिश्ते में गर्मजोशी बनाए रखते हैं।

समय की कमी भावनात्मक दूरी बढ़ा सकती है।

बहस न करें

जब आप दूर होते हैं, तो छोटी-छोटी बातों पर बहस से मुद्दे बड़े बन जात हैं। बहस करने से बचें।

छोटी बातों को बड़ा मुद्दा न बनाएं

हर असहमति को झगड़े में न बदलें।

गुस्से में फैसले लेने से बचें।

धैर्य और समझदारी से बात करें।

स्वस्थ संवाद रिश्ते को मजबूत बनाता है।

भविष्य की योजनाओं पर चर्चा न करना

एक साझा लक्ष्य रिश्ते को दिशा देता है।

कब और कैसे साथ रहेंगे, इस पर बात करें।

आर्थिक और पारिवारिक योजनाएं साझा करें।

भविष्य को लेकर स्पष्टता रिश्ते में सुरक्षा का भाव पैदा करती है।

साझा सपने रिश्ते को मजबूत बनाए रखते हैं।

रोजाना 20 मिनट साइकिल चलाना शुरू का दो साइकिल, पूरी तरह बदल जाएगा आपका शरीर

दुनिया भर में मौत के मुख्य जोखिम कारकों में से एक है-शारीरिक गतिविधि की कमी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) की सलाह है कि 18-64 साल के वयस्कों को स्वस्थ रहने के लिए पूरे हफ्ते में कम से कम 150 मिनट की मध्यम-तीव्रता वाली शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि इस लक्ष्य को पाने के लिए रोजाना सिर्फ 20 मिनट साइकिल चलाना ही काफी है। विश्व साइकिल दिवस के मौके पर आज जानते हैं कि रोजाना सिर्फ 20 मिनट साइकिल चलाने से शरीर को मिलते हैं क्या- क्या फायदे

वजन को रखती है कंट्रोल में

साइक्लिंग एक एरोबिक एक्टिविटी है, जिसका मतलब है कि जब आप इस प्रदूषण-मुक्त वाहन की सवारी करते हैं, तो आपकी रक्त वाहिकाओं और फेफड़ों की अच्छी कसरत होती है। यह मध्यम-तीव्रता वाली शारीरिक गतिविधि आपकी रोजमर्रा की दिनचर्या में पूरी तरह से फिट बैठती है, क्योंकि आप आसानी से थोड़ी-थोड़ी दूरी तय करके आस-पड़ोस की दुकान, स्कूल या काम पर जा सकते हैं। लंबे समय तक पैडल मारते हुए और दोनों हाथों से हैंडल संभालते हुए, अपने शरीर के वजन को संतुलित करने से आपके शारीरिक तालमेल में सुधार होता है।

बढ़ता है रक्त संचार

साइकिल चलाने से रक्त संचार बढ़ता है, जिससे त्वचा की कोशिकाओं तक ऑक्सीजन पहुंचती है और बदले में, यह हमारे शरीर की ठीक होने की प्रक्रिया को तेज करने में मदद करता है। रिसर्च के अनुसार, नियमित रूप से साइकिल चलाने से हफ्ते में लगभग 1,000 कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है, यहां तक कि 12 उची की हल्की रफ्तार से साइकिल चलाने पर भी आप हर घंटे 563 कैलोरी बर्न कर सकते हैं। हालांकि यह चिकित्सकीय रूप से

साबित हो चुका है कि नियमित रूप से साइकिल चलाने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है, लेकिन असल में, यह एक मजेदार और कम-प्रभाव वाला व्यायाम है।

शुगर के मरीज जरूर चलाएं साइकिल

कुल मिलाकर, यह पूरे भरोसे के साथ कहा जा सकता है कि साइक्लिंग से स्टैमिना बढ़ता है और कई बीमारियों को कंट्रोल करने और उनसे बचने में मदद मिलती है। परिवहन के सबसे पर्यावरण-अनुकूल तरीकों में से एक होने के नाते, यह निस्संदेह हर नागरिक के लिए एक स्वस्थ विकल्प है। इसे अपनी रोजाना की आदत बनाकर, आपको जल्द ही सेहत से जुड़े हैरान करने वाले फायदे देखने को मिल सकते हैं, क्योंकि इससे दिन भर में आपको काफी पसीना आता है। साउथ ऑस्ट्रेलिया यूनिवर्सिटी के अध्ययन के अनुसार, टाइप 2 डायबिटीज वाले लोगों के लिए अपनी रोजाना की कसरत में पैदल चलने के बजाय साइक्लिंग को चुनना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। इसी अध्ययन से यह भी पता चला है कि 60 से 70 साल की जिन महिलाओं (जिन्हें टाइप 2 डायबिटीज थी) ने 12 हफ्ते तक चले फिटनेस प्रोग्राम में हिस्सा लिया और हफ्ते में दो बार 20 मिनट तक साइक्लिंग की, उनके ब्लड ग्लूकोज लेवल में औसतन 19.2: की गिरावट देखी गई।

इन बीमारियों से करती है बचाव

यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखती है, टाइप 2 डायबिटीज और ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव करती है, जोड़ों की गतिशीलता और लचीलेपन में सुधार लाती है और आपको शांत रखने और तनाव कम करने में मदद करती है। और आखिर में लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि अपनी फिटनेस रूटीन में साइक्लिंग को शामिल करना, जिम में की जाने वाली पारंपरिक और जोरदार कसरत के मुकाबले कहीं ज्यादा आसान और टिकाऊ विकल्प है। साइक्लिंग से घुटनों पर उतना जोर नहीं पड़ता, जितना दौड़ने या एक हद से ज्यादा पैदल चलने से पड़ सकता है। दूसरी ओर, आपको साइक्लिंग के लिए किसी खास तरह के कपड़ों या गियर की जरूरत नहीं पड़ती, जैसा कि किसी खेल को खेलने या दौड़ने के लिए जरूरी होता है। अगली बार जब आप अपने शहर में सड़क पर ट्रैफिक की गंभीर समस्या को लेकर शिकायत करें, तो उससे पहले यह पक्का कर लें कि आप हफ्ते में कम से कम कुछ घंटों के लिए साइकिल लेकर सड़क पर जरूर निकलें।

धूप से आकर तुरंत नहाना सही या गलत? जानिए क्या कहते हैं एक्सपट्र्स

गर्मी के मौसम में जब हम तेज धूप में बाहर से घर लौटते हैं, तो शरीर गर्म और पसीने से भरा होता है। ऐसे में अधिकतर लोग तुरंत नहाने की आदत डाल लेते हैं, ताकि राहत महसूस हो सके। लेकिन क्या यह आदत शरीर के लिए सही है? विशेषज्ञों के अनुसार धूप से आने के तुरंत बाद नहाना

हमेशा सुरक्षित नहीं माना जाता। इसलिए सही तरीका अपनाना जरूरी है। यदि आप भी धूप से आने के बाद तुरंत नहाने की आदत रखते हैं, तो पहले शरीर को सामान्य तापमान पर आने देना चाहिए। आइए जानते हैं इससे जुड़ी जरूरी सावधानियां और सही तरीका।

तुरंत ठंडे पानी से न नहाएं

जब आप तेज धूप से आते हैं तो शरीर अंदर से बहुत गर्म होता है।

ऐसे में सीधे ठंडे पानी से नहाने पर शरीर को अचानक थर्मल शॉक लग सकता है।

इससे सिर दर्द, चक्कर आना, कमजोरी या सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

इसलिए तुरंत ठंडा पानी लेने से बचना चाहिए।

धूप से आने के बाद शरीर को सामान्य तापमान में आने का समय देना जरूरी होता है।

कम से कम 15 से 30 मिनट आराम करने से शरीर धीरे-धीरे ठंडा हो जाता है।

इस दौरान आप हल्का बैठकर या पंखे में आराम कर सकते हैं।

गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें

अगर नहाना जरूरी लगे तो ठंडे पानी की जगह हल्का गुनगुना पानी इस्तेमाल करना बेहतर होता है।

इससे शरीर को झटका नहीं लगता और थकान भी कम होती है।

यह तरीका शरीर को सुरक्षित तरीके से रिफ्रेश करता है।

ज्यादा पसीना हो तो पहले पोंछ लें

धूप से आने के बाद शरीर पर पसीना और धूल जमा हो जाती है।

ऐसे में पहले गीले या सूखे कपड़े से शरीर को पोंछ लेना चाहिए।

इससे शरीर की गर्मी कुछ कम हो जाती है और नहाना आसान हो जाता है।

पानी पीना न भूलें

धूप में रहने से शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन हो जाता है।

ऐसे में तुरंत पानी, नारियल पानी या डफ्र पीना जरूरी है।

इससे शरीर का तापमान भी नियंत्रित रहता है और कमजोरी भी दूर होती है।

क्या हो सकते हैं नुकसान?

सिर दर्द और चक्कर आना

सर्दी-जुकाम

शरीर में अचानक ठंड लगना

ब्लड प्रेशर असंतुलन

तो क्या करें?

धूप से आने के तुरंत बाद नहाना हमेशा सही नहीं होता। शरीर को थोड़ा समय देकर सामान्य स्थिति में लाना ज्यादा सुरक्षित है। गुनगुने पानी का इस्तेमाल और पर्याप्त आराम से आप गर्मी के दुष्प्रभावों से बच सकते हैं और स्वस्थ रह सकते हैं।

शरीर में ये 5 बदलाव बताते हैं कि आपका दिल नहीं है पूरी तरह स्वस्थ

दिल हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है, जो लगातार रक्त पंप करके पूरे शरीर को ऑक्सीजन और पोषण पहुंचाता है। लेकिन बदलती जीवनशैली, तनाव, अनियमित खानपान और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण हृदय रोगों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। चिंता की बात यह है कि कई बार दिल से जुड़ी समस्याएं शुरूआती चरण में छोटे-छोटे संकेतों के रूप में सामने आती हैं, जिन्हें लोग सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यदि इन लक्षणों को समय

रहते पहचान लिया जाए तो गंभीर हृदय रोगों और हार्ट अटैक जैसी जानलेवा स्थितियों से बचा जा सकता है। अगर आपके शरीर में भी कुछ असामान्य बदलाव दिखाई दे रहे हैं, तो सतर्क हो जाना जरूरी है। आइए जानते हैं उन 5 संकेतों के बारे में जो दिल की बीमारी की ओर इशारा कर सकते हैं।

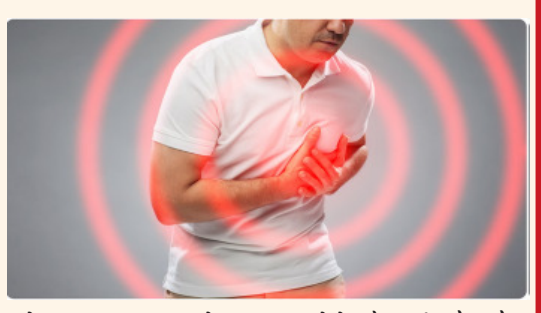

सीने में दर्द

सीने में दर्द, जकड़न, भारीपन या दबाव महसूस होना हृदय रोग का सबसे आम संकेत माना जाता है।

यह दर्द कुछ मिनटों तक रह सकता है या बार-बार हो सकता है।

कई बार यह दर्द कंधे, गर्दन, पीठ या बांह तक भी फैल सकता है।

यदि ऐसा बार-बार हो रहा है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

सांस फूलना

सीढ़ियां चढ़ते समय अत्यधिक थकान महसूस हो या सांस फूले तो यह दिल की कमजोरी का संकेत हो सकता है।

जब हृदय ठीक से रक्त पंप नहीं कर पाता, तो फेफड़ों पर दबाव बढ़ जाता है और सांस लेने में परेशानी होने लगती है।

अत्यधिक थकान और कमजोरी

आराम करने के बावजूद लगातार थकान महसूस हो रही है, तो इसे सामान्य कमजोरी समझकर नजरअंदाज न करें।

हृदय की कार्यक्षमता कम होने पर शरीर के अंगों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती, जिससे थकान और ऊर्जा की कमी महसूस हो सकती है।

अनियमित या तेज धड़कन

दिल की धड़कन का अचानक तेज होना, बहुत धीमा होना हृदय संबंधी समस्या का संकेत हो सकता है। यदि यह स्थिति बार-बार हो रही है, तो मेडिकल जांच कराना जरूरी है।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु ,गुरूवार ,04 जून 2026

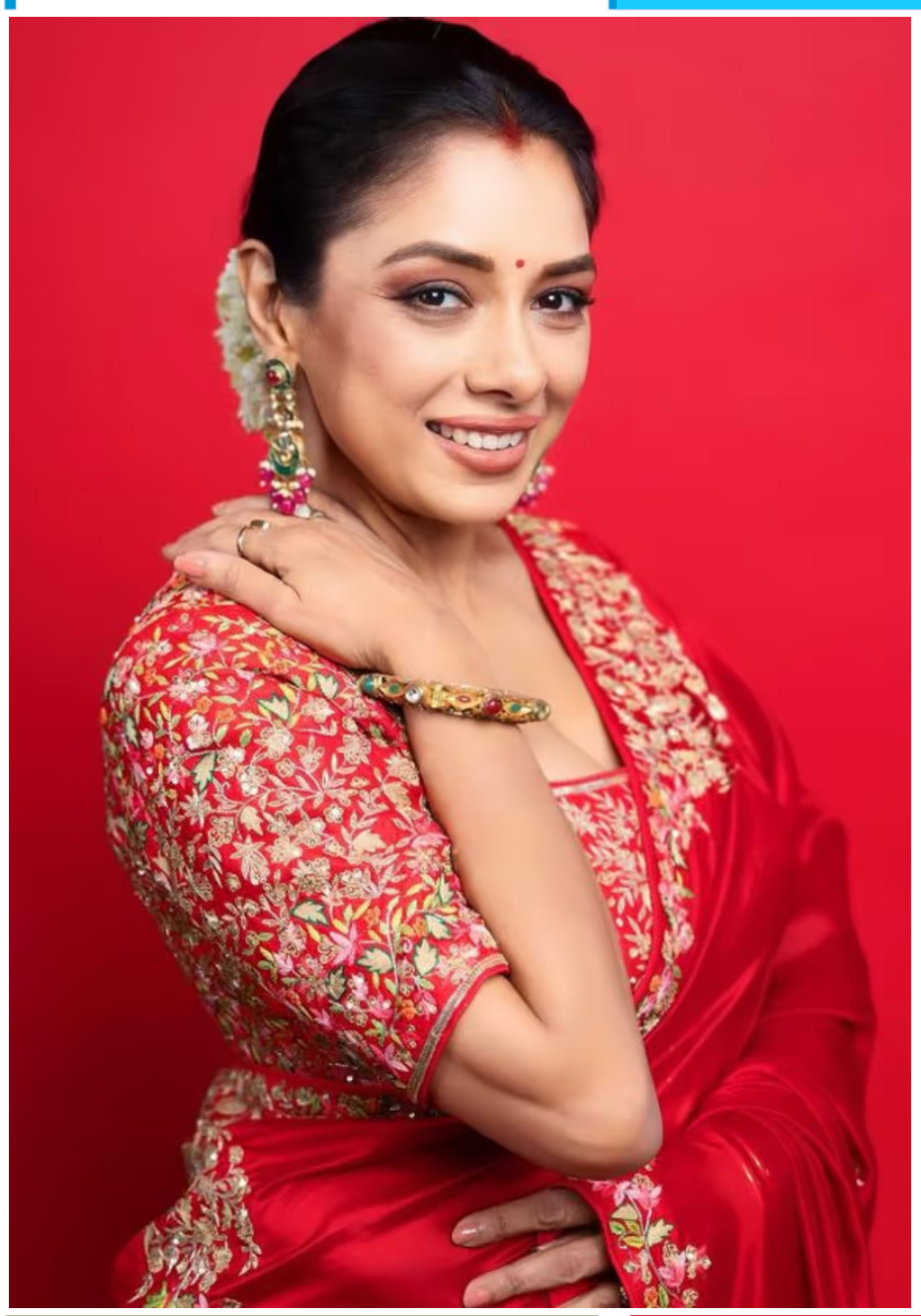

रूपाली गांगुली

ने की कपड़ों पर पैसा ना वेस्ट करने की अपील, बोली-प्लीज सेलिब्रिटीज के फैशन ना करो फॉलो

टेलीविजन अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने लोगों से अपने कपड़ों को रीसायकल करने और उन्हें नया रूप देने का आग्रह किया है। हाल ही में एक फैशन शो में प।छे से घ्घ्खास बातचीत करते हुए श्अनुपमाश् अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि फैशन का मतलब सिर्फ नए कपड़े खरीदना ही नहीं है, बल्कि अपने मौजूदा कपड़ों का रचनात्मक तरीके से दोबारा इस्तेमाल करना भी है। जब उनसे पूछा गया कि वह फैशन से जुड़ी अपनी पसंद के बारे में लोगों को क्या सलाह देना चाहेंगी, तो रूपाली ने अपने फैंस से अपील की कि वे सेलिब्रिटीज से प्रेरित लुक्स पर पैसे खर्च करने की अपनी आदतों पर दोबारा विचार करें। उन्होंने इस बात पर जार दिया कि सेलिब्रिटीज जो कपड़े पहनते हैं, उनमें से ज्यादातर या तो किसी ब्रांड के साथ कोलेबोरेशन का हिस्सा होते हैं या फिर उन्हें प्रोडक्शन हाउस की तरफ से दिए जाते हैं। इसलिए, उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे उन स्टाइल्स की नकल करने की कोशिश में जरूरत से ज्यादा पैसे खर्च न करें। साराभाई वर्सेस साराभाई की अभिनेत्री ने यह भी कहा कि लोगों को बेवजह पैसे खर्च करने के बजाय अपने मौजूदा कपड़ों को ही रीसायकल करके उन्हें नया रूप देना चाहिए। उन्होंने कहा- मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि आप चाहे कोई भी हों, प्लीज सेलिब्रिटीज के कपड़ों पर पैसे खर्च न करें। क्योंकि ज्यादातर कपड़े या तो कोलेबोरेशन के तहत आते हैं या फिर प्रोड्यूसर उन्हें देते हैं। सेलिब्रिटीज खुद ज्यादा पैसे खर्च नहीं करते। इसलिए, प्लीज अपनी जेब पर बेवजह का बोझ न डालें। अपने कपड़ों को रीसायकल करें और उन्हें नया रूप दें। फैशन का उनके लिए क्या मतलब है, इस बारे में बात करते हुए गांगुली ने कहा-सच कहूं तो, मैंने कभी फैशन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। और मुझे ये सब बातें समझ भी नहीं आतीं। क्योंकि जो चीजें मुझे पसंद हैं, हो सकता है कि दूसरों को वे पसंद न आएं। आजकल बहुत सारे अच्छे डिजाइनर्स हैं। आप उन्हें टीवी पर भी देख सकते हैं। मुझे लगता है कि जो कोई भी साड़ी को अच्छे से कैरी कर लेता है, वही सबसे ज्यादा फैशनेबल होता है। हमारे चौनल पर भी ऐसे बहुत से लोग हैं जो साड़ी को बहुत अच्छे से कैरी करते हैं। टीवी की दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं। मेरे लिए, फैशन का मतलब है आराम। फैशन असल में आपकी सोच है। काम की बात करें तो, रूपाली इस समय स्टार प्लस के लोकप्रिय शो अनुपमा में मुख्य भूमिका निभाती हुई नजर आ रही हैं।

वो अद्भुत इंसान हैं, नीतू कपूर ने की कपिल शर्मा की तारीफ; साझा किया दादी की शादी में काम करने का अनुभव

वेटरन एक्ट्रेस नीतू कपूर ने दादी की शादी में कपिल शर्मा के काम की तारीफ की है। जानिए उन्होंने कपिल को लेकर और क्या कुछ कहा अभिनेत्री नीतू कपूर ने 'दादी की शादी' के अपने को-स्टार कपिल शर्मा की तारीफ की है। नीतू कपूर ने कपिल को एक अद्भुत व्यक्ति बताया और कहा कि उन्होंने फिल्म में शानदार काम किया है। नीतू का मानना है कि कपिल पूरी तरह से अपने किरदार में उतर गए थे। एएनआई से बातचीत में नीतू कपूर ने 'दादी की शादी' में कपिल शर्मा के काम की तारीफ की। कपिल ने फिल्म में टोनी की भूमिका निभाई है। नीतू कपूर ने कपिल की तारीफ करते हुए कहा, कपिल एक अद्भुत इंसान हैं और इतने हंसमुख हैं कि उनके साथ रहना

बहुत मजेदार होता है। उन्होंने इस फिल्म में बहुत अच्छा काम किया है। वो कपिल शर्मा नहीं थे। वो टोनी का किरदार निभा रहे थे। वो पूरी तरह से टोनी थे। एक पल के लिए भी आपको नहीं लगेगा कि वो कपिल शर्मा हैं, स्टैंड-अप कॉमेडियन या उनका शो या जो कुछ भी वो करते हैं। वो टोनी हैं, पूरी तरह से टोनी। उन्होंने कुछ सीन इतने शानदार तरीके से किए हैं कि मैंने उनसे कहा कि आपने बहुत अलग किया है। पूरी टीम ने काफी मेहनत की फिल्म से जुड़ा एक किस्सा साझा करते हुए नीतू ने आगे कहा कि कपिल ने खुद को आगे नहीं रखा। जैसे कि मैं कपिल शर्मा हूं, तो सब कुछ मेरे बारे में होना चाहिए। कुछ नहीं। वो मेरे सीन, मेरे डायलॉग पर मुझसे चर्चा करते थे। वो कहते थे, 'नीतू जी इसे ऐसे बोलिए, ऐसा कीजिए, वैसा कीजिए।' तो पूरी तरह से शामिल रहते थे। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। पूरी टीम ने बहुत मेहनत की है और इसे बहुत प्यार से बनाया है। हर कोई इसमें पूरी तरह से शामिल था। बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही थी फिल्म आशीष आर. मोहन द्वारा लिखित और निर्देशित 'दादी की शादी' 8 मई को रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई।

सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए बचे हैं सिर्फ 30 दिन, 3 जुलाई को होगी नागाबंधम रिलीज

नागाबंधम के मेकर्स ने एक बेहद शानदार और आकर्षक काउंटडाउन पोस्टर जारी करके फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह और बढ़ा दिया है। इस नए पोस्टर के साथ एलान किया गया है कि इस माइथोलॉजिकल एक्शन-एडवेंचर फिल्म की ग्लोबल थिएट्रिकल रिलीज में अब सिर्फ 30 दिन बचे हैं, और यह फिल्म 3 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में तहलका मचाने आ रही है ! 2026 की सबसे मच-अवेटीड और बड़ी फिल्मों में

से एक नागाबंधम अपनी अनाउंसमेंट के बाद से ही लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। मेकर्स ने हर एक अपडेट के साथ दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बनाए रखी है, जिसकी शुरूआत धमाकेदार टीजर और इसके बाद पहले गाने नमो रे से हुई, जिसने इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा दिया था। अब, मेकर्स ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल्स पर फिल्म की रिलीज के लिए 30 दिनों का काउंटडाउन शुरू कर दिया है। नागाबंधम 3 जुलाई 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।इंतजार अब और छोटा होता जा रहा है। एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रहा है। एक महाकाव्य सिनेमैटिक तमाशा आपके बेहद करीब आ रहा है हाल ही में रिलीज हुए टीजर ने दर्शकों को एक रहस्यमयी और अपनी ओर खींचने वाली दुनिया की झलक दिखाई है, जो एक बेहद भव्य सिनेमैटिक एक्सपीरियंस का इशारा करती है। यह फिल्म धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों को बेहतरीन वीएफएक्स और एक दमदार बैकग्राउंड स्कोर के साथ पर्दे पर लेकर आ रही है, जो अपने बड़े स्केल, गंभीरता और शानदार कैरेक्टर मोमेंट्स के साथ दर्शकों को बांधने का वादा करती है। पूरी तरह से भारतीय संस्कृति और इतिहास से जुड़ी यह फिल्म देश के गौरवशाली अतीत के साथ-साथ उन पौराणिक कहानियों से प्रेरित है जो अब तक पर्दे पर नहीं आई हैं, और यही बात इसे इस जॉनर की बाकी फिल्मों से अलग बनाती है। नागाबंधम की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायरेक्शन का जिम्मा अभिषेक नामा ने संभाला है। इस फिल्म को किशोर अन्नापुशेड्डी और निशिता नागिरेड्डी द्वारा प्रोड्यूस किया गया है, और यह फिल्म 3 जुलाई 2026 को एक भव्य पैन-इंडिया रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है।

गवर्नर के लिए बदली गईं लोकेशंस की सूरत, 90 के दशक का माहौल बनाने में लगी पूरी टीम

मनोज बाजपेयी और अदा शर्मा अभिनीत फिल्म श्गवर्नरश इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में शुमार है। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही यह फिल्म लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। भारत के 1990 के आर्थिक संकट की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म देश के इतिहास के एक महत्वपूर्ण दौर को बड़े पर्दे पर जीवंत करने का प्रयास करती है। फिल्म की दमदार कहानी के साथ-साथ इसकी प्रामाणिकता भी चर्चा का विषय बनी हुई है। मेकर्स ने 1990 के दशक के माहौल को हूबहू पर्दे पर उतारने के लिए काफी मेहनत की। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, सबसे बड़ी चुनौती आधुनिक दौर की लोकेशनों को तीन दशक पीछे ले जाना था। सूत्र ने बताया कि फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर वास्तविक लोकेशनों पर की गई है। ऐसे में आधुनिक कारों, साइनबोर्ड्स, बिलबोर्ड्स, मोबाइल टावर्स, एलईडी डिस्प्ले और अन्य आधुनिक तत्वों को फ्रेम से हटाने या छिपाने के लिए विशेष योजना बनाई गई। इतना ही नहीं, कलाकारों और भीड़ में शामिल लोगों के हेयरस्टाइल, पहनावे और बॉडी लैंग्वेज तक पर बारीकी से काम किया गया ताकि हर दृश्य 1990 के दशक की झलक पेश कर सके। सूत्र के अनुसार, हमारा लक्ष्य दर्शकों को सीधे उस दौर में ले जाना था। इसके लिए हर फ्रेम पर बेहद बारीकी से काम किया गया। टीम ने यह सुनिश्चित किया कि स्क्रीन पर दिखाई देने वाली हर चीज उस समय की वास्तविकता को दर्शाए। सच्ची घटनाओं से प्रेरित गवर्नर भारत के आर्थिक इतिहास के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर की कहानी कहती है। 1990 के वित्तीय संकट के बीच सेट यह फिल्म बड़े राजनीतिक फैसलों, सत्ता संघर्ष और संस्थागत टकरावों को रोमांचक अंदाज में प्रस्तुत करती है। ट्रेलर में भी उस दौर की अनिश्चितता और तनाव को प्रभावशाली तरीके से दिखाया गया है।राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी फिल्म में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं, जबकि अदा शर्मा भी महत्वपूर्ण किरदार में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन चिन्मय मांडलेकर ने किया है। विपुल अमृतलाल शाह इसके निमार्ता हैं और आशिन ए. शाह सह-निमार्ता की भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी सुवेंदु भट्टाचार्य, सौरभ भरत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने मिलकर लिखी है। इसके गीत प्रसिद्ध गीतकार जावेद अख्तर ने लिखे हैं, जबकि संगीत अमित त्रिवेदी ने दिया है। गवर्नर 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

फैशन की दुनिया में शोक की लहर, दिल्ली के मॉडल दिव्यांशु जोशी की केरल में हुई रहस्यमयी मौत

28 मई को दिल्ली के रहने वाले 26 वर्षीय मॉडल दिव्यांशु जोशी की केरल के एनार्कुलम जिले के मुडाकुझा (पेट्टमाला) में एक छोड़ी हुई पत्थर की खदान में डूबने से मौत हो गई। वे एक कमर्शियल फोटोशूट के लिए काम के सिलसिले में वहां गए थे। यह खदान जो दो दशकों से ज्यादा समय से बंद पड़ी थी, एक जानी-मानी खतरनाक जगह थी जहां पहले भी डूबने की घटनाएं हो चुकी थीं। पुलिस के अनुसार, दिव्यांशु और उनका एक दोस्त, ऑनलाइन

कुछ हवाई वीडियो देखने के बाद शूट से एक दिन पहले उस जगह का जायजा लेने गए थे। बताया जाता है कि जब उनकी वीडियो रिकॉर्डिंग हो रही थी, तो वे पानी में उतर गए और सतह से लगभग 30 फीट नीचे एक गहरे, घुमावदार हिस्से में फिसल गए। बाद में अधिकारियों ने उनका शव बरामद कर लिया, और जांच में पता चला कि इस प्रतिबंधित जगह पर जाने या शूट करने के लिए स्थानीय पंचायत से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। पूरे भारत में हुई कुछ छोटी लेकिन परेशान करने वाली घटनाओं से पता चलता है कि फैशन शूट और स्टूडियो के माहौल में सुरक्षा में बार-बार चूक हो रही है। जून 2023 में, नोएडा के एक स्टूडियो में फैशन शो की रिहर्सल के दौरान 24 साल की मॉडल वंशिका चोपड़ा की मौत हो गई, जब रैंप पर एक भारी लाइटिंग ट्रस गिर गया। इस घटना से हर तरफ गुस्सा फैल गया और फैशन शूट में सुरक्षा उपायों की फिर से जांच-पड़ताल शुरू हो गई। 31 मई को जारी एक आधिकारिक बयान में, कार्तिक रिसर्च द वह ब्रांड जिसके लिए दिव्यांशु काम करते थे और जिसके लिए वह शूट कर रहे थे ने कहारू हम अपने प्यारे सहकर्मी और दोस्त, दिव्यांशु जोशी को खोने से बहुत दुखी हैं३ साथ ही यह भी कहा कि वह प्रोडक्शन के हिस्से के तौर पर किसी भी तैराकी से जुड़ी गतिविधि में हिस्सा नहीं ले रहे थे और यह कि कुछ सार्वजनिक रिपोर्टों में हालात को गलत तरीके से पेश किया गया है। ब्रांड ने आगे कहा कि वह इस पर और कोई टिप्पणी नहीं करेगा।

वेदांग रैना के जन्मदिन पर इम्तियाज अली और ए.आर. रहमान ने रिलीज किया मैं वापस आऊंगा का नया गाना इश्क मस्ताना

निर्देशक इम्तियाज अली की आगामी फिल्म मैं वापस आऊंगा लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म के टीजर, गानों और प्रमोशनल कंटेंट को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अब मेकर्स ने फिल्म का नया गीत इश्क मस्ताना रिलीज कर दिया है, जिसने आते ही दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। यह गाना प्यार, दोस्ती, परिवार और जिंदगी के खूबसूरत पलों का जश्न मनाता नजर आता है। इश्क मस्ताना केवल एक रोमांटिक ट्रैक नहीं है, बल्कि यह जीवन के उन छोटे-छोटे पलों को सेलिब्रेट करता है जो रिश्तों को खास बनाते हैं। गाने में अपने लोगों के बीच रहने की खुशी, दोस्तों के साथ बिताए यादगार लम्हे और परिवार की गर्मजोशी को खूबसूरती से दशार्या गया है। इसकी सकारात्मक ऊर्जा दर्शकों को एक अलग ही दुनिया में ले जाती है। गाने में पंजाब की जीवंत संस्कृति को बेहद आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। भरे-पूरे घर, कॉलेज की मस्ती, दोस्तों की टोली और पारिवारिक मेल-जोल जैसे दृश्य इसे और खास बनाते हैं। कीनू यानी वेदांग रैना के परिवार की महिलाओं के लिए एक साधारण दिन उत्सव में बदल जाता है, जबकि कॉलेज के दोस्तों के लिए यह पल खुलकर जीने और यादें संजोने का अवसर बन जाता है।इश्क मस्ताना दर्शकों को उस दौर में ले जाता है जब हर मुलाकात एक त्योहार जैसी लगती थी। विभाजन से पहले के भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित यह गीत उस समय की सामाजिक और सांस्कृतिक समृद्धि को खूबसूरती से दशार्ता है। गाने के दृश्य उस युग की गर्मजोशी और अपनत्व को जीवंत कर देते हैं। इस गीत की सबसे खास बात इसका संगीत है, जिसमें पंजाबी लोकधुनों के साथ जैज और स्विंग संगीत का अनूठा मिश्रण सुनाई देता है। यह मेल उस सांस्कृतिक विरासत की याद दिलाता है जो कभी अखंड भारत के संगीत का अहम हिस्सा हुआ करती थी। गाना परंपरा और आधुनिकता के बीच एक खूबसूरत पुल बनाता है।इश्क मस्ताना की मुख्य पंक्ति हमन है इश्क मस्ताना, हमन को होशियारी क्या संत कबीर की अमर वाणी से प्रेरित है। इस एक पंक्ति ने गाने को आध्यात्मिक गहराई और भावनात्मक मजबूती प्रदान की है। यही वजह है कि यह गीत केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दिल को भी छू जाता है। गाने में वेदांग रैना और शरवरी की ताजगी भरी केमिस्ट्री देखने को मिलती है। दोनों कलाकारों की स्क्रीन प्रेजेंस और ऊर्जा गाने को और प्रभावशाली बनाती है। उनके साथ-साथ नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ की झलक भी दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ाने का काम करती है। इश्क मस्ताना को मोहित चौहान, नरगिस और पूजा तिवारी ने अपनी सुरीली आवाज दी है। गीत का संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। दोनों दिग्गजों की जोड़ी ने एक बार फिर ऐसा गीत रचा है जो लंबे समय तक श्रोताओं की प्लेलिस्ट में बना रह सकता है। यह गीत खास तौर पर वेदांग रैना के जन्मदिन के अवसर पर रिलीज किया गया है। ऐसे में उनके प्रशंसकों के लिए यह किसी सरप्राइज गिफ्ट से कम नहीं है। रिलीज के साथ ही गाने को सोशल मीडिया पर भी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु ,गुरूवार ,04 जून 2026

क्या रोहित और विराट के साथ खेलने का सपना होगा पूरा ? टीम इंडिया में पहली बार चुने गए हर्ष दुबे ने कही यह बात

नई दिल्ली : अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए पहली बार भारतीय टीम में चुने गए विदर्भ के ऑलराउंडर हर्ष दुबे ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ खेलना उनके लिए सपने के सच होने जैसा होगा। युवा खिलाड़ी ने बताया कि बचपन से वह दोनों दिग्गजों को खेलते हुए देखते आए हैं और उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने का मौका मिलना उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक होगा। अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में पहली बार चुने गए बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज ऑलराउंडर हर्ष दुबे इन दिनों बेहद उत्साहित हैं। विदर्भ के लिए घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले दुबे को चयनकर्ताओं ने उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन का इनाम दिया है। रणजी ट्रॉफी 2024-25 में विदर्भ की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले दुबे ने 2025 में टीम को विजय हजारे ट्रॉफी का पहला खिताब भी दिलाया था। अब उन्हें भारत की वनडे टीम में मौका मिला है, जहां वह तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और गुरनूर बराड़ के साथ तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों में शामिल हैं। रोहित और विराट के साथ खेलना सबसे बड़ा सपना हर्ष दुबे ने कहा कि किसी भी युवा क्रिकेटर की तरह उनके लिए भी विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ खेलना एक बड़ा सपना है। उन्होंने कहा, 'अगर आप किसी युवा क्रिकेटर से पूछेंगे कि वह इस समय किन खिलाड़ियों के साथ खेलना चाहता है, तो सबसे पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा का नाम आएगा। मैं उन्हें बचपन से खेलते हुए देखता आया हूं। जब से मैंने क्रिकेट को समझना शुरू किया, तब से वे भारत के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और विश्व क्रिकेट पर राज कर रहे हैं। ऐसे में उनके साथ खेलने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।' दुबे ने आगे कहा, 'मैं हमेशा चाहता था कि उनके संन्यास लेने से पहले या उनके करियर के अंतिम दौर में कम से कम किसी एक दिग्गज के साथ खेलने का मौका मिले। अगर मुझे उनके साथ एक भी मैच खेलने का अवसर मिला तो वह मेरे लिए सपने के सच होने जैसा होगा।' चयन की खबर सुनकर नहीं हुआ यकीन युवा ऑलराउंडर ने बताया कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि इतनी जल्दी भारतीय टीम से बुलावा आ जाएगा। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो जब मेरा नाम श्रीलंका-ए वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए आया, तब मुझे लगा कि मैं अभी टीम इंडिया की योजनाओं में नहीं हूं। इसलिए मैंने खुद से कहा कि फिलहाल आईपीएल पर ध्यान देना है। मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि मेरा नाम भारतीय टीम के लिए भी आ सकता है, वह भी दोनों प्रारूपों में।' दुबे ने उस पल को भी याद किया जब उन्हें अपने चयन की जानकारी मिली। उन्होंने कहा, 'हम एयरपोर्ट पहुंचे थे और पता चला कि फ्लाइट एक घंटे लेट है। तभी मुझे एक क्रिकेट सोशल मीडिया पेज से फोन आया। उन्होंने पूछा कि वनडे सीरीज में चयन को लेकर कैसा महसूस कर रहा हूं। शोर और नेटवर्क की वजह से मुझे लगा कि वह श्रीलंका-ए सीरीज की बात कर रहे हैं। फोन रखने के बाद अचानक कई संदेश आने लगे कि मुझे टेस्ट और वनडे दोनों टीमों में चुना गया है। मैं कुछ मिनट तक समझ ही नहीं पाया कि आखिर हुआ क्या है। सच कहूं तो ऐसा लग रहा था जैसे मैं कोई सपना देख रहा हूं।' हालांकि कई लोग उन्हें भारत के भविष्य के स्पिन विकल्प के रूप में देख रहे हैं, लेकिन दुबे फिलहाल लंबी योजनाओं के बारे में नहीं सोच रहे। उन्होंने कहा, 'हर क्रिकेटर भारत के लिए लंबे समय तक खेलना चाहता है, लेकिन मैं बहुत आगे की नहीं सोचता। मेरा ध्यान हमेशा अगले मैच पर रहता है। अगर आज आईपीएल खेल रहा हूं तो मेरा फोकस उसी पर है और अगर कल भारत के लिए खेलूंगा तो टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान दूंगा।' गिल की कप्तानी को लेकर कही यह बात अफगानिस्तान सीरीज में भारत के कप्तान शुभमन गिल होंगे और दुबे उनके नेतृत्व में खेलने को लेकर भी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'मैं शुभमन गिल को करीब से समझना चाहता हूं क्योंकि विपक्षी खिलाड़ी के तौर पर आप किसी कप्तान को पूरी तरह नहीं जान सकते। मुझे ऐसे कप्तानों के साथ खेलना पसंद है जो मैदान पर आक्रामक और प्रतिस्पर्धी हों। मैदान के बाहर आप कितने भी शांत क्यों न हों, लेकिन मैदान पर वह आक्रामकता जरूरी होती है और मुझे ऐसे खिलाड़ियों के साथ खेलना अच्छा लगता है।' अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टेस्ट और वनडे सीरीज अब हर्ष दुबे के करियर का सबसे बड़ा अध्याय साबित हो सकती है, जहां उनकी नजरें टीम इंडिया में अपनी छाप छोड़ने पर होंगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले बीसीसीआई का बड़ा दांव, नए स्पिन गेंदबाजी कोच की हुई नियुक्ति

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से पहले बड़ा फैसला लिया है। टीम ने साईराज बहुतुले को टीम का नया स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले बड़ा दांव खेला है। बीसीसीआई ने साईराज बहुतुले को भारत की सीनियर पुरुष टीम का स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट छह जून से मुल्लांपुर में खेला जाएगा। भारत इस मैच में शुभमन गिल की अगुआई में खेलने उतरेगा। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, 'बीसीसीआई को यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि साईराज बहुतुले को भारतीय क्रिकेट टीम (सीनियर

टीम) का स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है।' भारतीय टीम के साथ उनका पहला दौरा छह जून से मुल्लांपुर में अफगानिस्तान के खिलाफ शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट होगा। वह टेस्ट मैच के दौरान मानव सुथार और हर्ष दुबे जैसे नए खिलाड़ियों के साथ काम करेंगे। बहुतुले का करियर बहुतुले भारत के पूर्व खिलाड़ी रहे हैं और घरेलू क्रिकेट के दिग्गजों में उनका नाम आता है। भारत ने दो टेस्ट और आठ वनडे मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उनका प्रथम श्रेणी करियर करीब दो दशक का रहा है। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 6176 रन बनाने के साथ ही 630 विकेट लिए हैं और वह भारत के बेहतरीन ऑलराउंडर में शामिल रहे हैं। बहुतुले को कोचिंग का है अनुभव बहुतुले क्रिकेट करियर के बाद कई टीमों के कोच भी रहे हैं। उन्होंने विदर्भ, केरल, गुजरात और बंगाल के मुख्य कोच की भूमिका निभाई है। इतना ही नहीं बहुतुले आईपीएल की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के स्पिन गेंदबाजी कोच भी रह चुके हैं। बहुतुले 2022 में अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के गेंदबाजी कोच रहे हैं और 2024 संस्करण के दौरान भी वह कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे। उन्होंने भारत ए और सीनियर पुरुष टीम में कई मौकों पर विशेषज्ञ गेंदबाजी कोच के तौर पर भी अपनी सेवाएं दी हैं। बहुतुले 2021 से 2024 तक बीसीसीआई के राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) के कोचिंग सेटअफ के अहम सदस्य रहे हैं। खिलाड़ियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं बहुतुले भारतीय ड्रेसिंग रूम का हिस्सा बनने पर बहुतुले ने कहा, भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में नियुक्त होना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। खिलाड़ी के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बेहद गर्व की बात थी और एक बार फिर कोचिंग के माध्यम से भारतीय क्रिकेट में योगदान देने का अवसर मिलना मेरे लिए अत्यंत विशेष है। मैं खिलाड़ियों के साथ काम करने और टीम को सभी प्रारूपों में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहयोग देने के लिए उत्सुक हूं।

'एक बिहारी सब पर भारी, फिर खत्म गेम' : विराट कोहली का वैभव सूर्यवंशी को संदेश, दिया सफलता का गुरु मंत्र

अहमदाबाद: अब आरसीबी ने उस मुलाकात का वीडियो शेयर किया है। वीडियो में कोहली 15 साल के वैभव को सफलता के गुरु मंत्र देते दिख रहे हैं। इस वीडियो को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। आईपीएल 2026 का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत लिया। हालांकि, आरसीबी की जीत से इतर जिसकी सबसे ज्यादा चर्चा रही, वह है वैभव सूर्यवंशी का अवॉर्ड सेरेमनी में छाना। वैभव को प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट समेत पांच अवॉर्ड मिले। इसके अलावा उन्होंने आरसीबी और टीम इंडिया के दिग्गज बैटर विराट कोहली से भी मुलाकात की थी। अब आरसीबी ने उस मुलाकात का वीडियो शेयर

किया है। वीडियो में कोहली 15 साल के वैभव को सफलता के गुरु मंत्र देते दिख रहे हैं। इस वीडियो को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। जब वैभव से मिले कोहली... राजस्थान रॉयल्स से खेलने उतरे 15 साल के वैभव ने आईपीएल 2026 को अपने नाम किया। वह टूनार्मेंट के स्टार बनकर निकले। वैभव ने सबसे ज्यादा 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप भी जीती। उनका स्ट्राइक रेट सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा छक्के भी लगाए। वहीं, कोहली ने आरसीबी टीम की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। आरसीबी और गुजरात टाइटंस के बीच हुए फाइनल को देखने वैभव भी अहमदाबाद पहुंचे थे। मैच के बाद वैभव ने खुद ही अपने अवॉर्ड्स कलेक्ट किए थे। इसके अलावा उन्होंने कोहली से मुलाकात भी की थी। इसका वीडियो काफी पहले आया था। हालांकि, तब ये क्लीयर नहीं हुआ था कि वैभव और कोहली के बीच क्या बात हुई थी। आरसीबी ने जारी किया वीडियो अब आरसीबी ने बातचीत का वीडियो जारी किया है। वीडियो में कोहली वैभव के बुलाने पर रुकते हैं। कोहली फिर वैभव के कंधे पर हाथ रखकर उनसे प्यार से बातचीत करते दिखते हैं। इसके बाद विराट कहते हैं, 'यहां से ऊपर जाना है। जो हुआ है, वो अच्छे मेहनत की वजह से हुआ है।

रिकवरी की कोशिशों के बाद भी लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 304 अंक टूटा

मुंबई: भारतीय शेयर बाजार निचले स्तरों से संभलने के बावजूद बुधवार को लाल निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स 304 अंक टूटकर 74,346 पर और निफ्टी 23,450 के नीचे आ गया है। आइए जानते हैं बाजार का पूरा हाल। घरेलू शेयर बाजार में कारोबारी सत्र के दौरान उतार-चढ़ाव का दौर हावी रहा, जिसके चलते निचले स्तरों से कुछ हद तक रिकवरी दिखाने के बावजूद बाजार लाल निशान पर बंद हुआ है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 303.67 अंकों (0.40 प्रतिशत) की गिरावट के साथ

74,346.17 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी दबाव में नजर आया और यह 77.96 अंकों (0.33 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ 23,450 के अहम सपोर्ट स्तर से नीचे, 23,405.60 पर आकर रुका है। बाजार में इस गिरावट के पीछे मुख्य रूप से आईटी सेक्टर से जुड़े शेयरों में हुई भारी बिकवाली का असर देखने को मिला है। विशिष्ट शेयरों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो 'टेक महिंद्रा' के शेयरों में छह प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जबकि एचसीएल टेक के शेयरों में भी पांच प्रतिशत तक की कमजोरी आई। आंकड़ों से स्पष्ट है कि बाजार ने दिन के दौरान वापसी का प्रयास जरूर किया, लेकिन ऊपरी स्तरों पर बिकवाली के दबाव के कारण निवेशकों की चिंताएं बनी रहीं।

अक्तूबर से दिसंबर तक, 40 दिनों में भारत के खिलाफ 12 मैच खेलेगा न्यूजीलैंड; NZC ने जारी किया शेड्यूल

नई दिल्ली : न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने 2026/27 घरेलू अंतरराष्ट्रीय सत्र का कार्यक्रम जारी कर दिया है। भारत की पुरुष टीम 22 अक्तूबर से एक दिसंबर 2026 तक न्यूजीलैंड दौरे पर रहेगी, जहां दोनों देशों के बीच कुल 12 मुकाबले खेले जाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने बुधवार को अपने घरेलू अंतरराष्ट्रीय सत्र 2026/27 का कार्यक्रम जारी कर दिया। इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण भारत का न्यूजीलैंड दौरा है, जिसे मेजबान देश के इतिहास के सबसे बड़े द्विपक्षीय क्रिकेट दौरों में से एक माना जा रहा है। भारतीय टीम 22 अक्तूबर से एक दिसंबर 2026 तक न्यूजीलैंड में रहेगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच कुल 12 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें पांच टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच शामिल हैं। करीब 40 दिनों तक चलने वाला यह दौरा पांच प्रमुख शहरों में आयोजित किया जाएगा। ब्लैक-कैप्स ने बताया खास मौका न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के मुख्य मार्केटिंग और कमर्शियल अधिकारी ग्लेन क्रिचली ने इस दौरे को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा, 'यह एक पीढ़ी में एक बार आने वाला मौका है। जब क्रिकेट की बात आती है तो भारत से बड़ा कुछ नहीं है। हम न्यूजीलैंड के लोगों को ऐसा दौरा देने जा रहे हैं जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। यह सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि दोनों देशों के साझा इतिहास, संस्कृति और बढ़ती दोस्ती का उत्सव होगा।' न्यूजीलैंड सरकार ने भी इस दौरे को समर्थन देने की घोषणा की है। यह समर्थन भारत और न्यूजीलैंड के बीच लगभग 100 वर्षों से चले आ रहे खेल संबंधों को समर्पित बताया गया है। टी20 सीरीज से होगी शुरूआत भारत का दौरा पांच मैचों की टी20 सीरीज से शुरू होगा। पहला और दूसरा टी20

को ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा। पांचवां और अंतिम टी20 मैच एक नवंबर को हैमिल्टन के सेडन पार्क में आयोजित होगा। वनडे सीरीज का कार्यक्रम टी20 सीरीज के बाद दोनों टीमें पांच मैचों की वनडे सीरीज में आमने-सामने होंगी। पहला वनडे चार नवंबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला सात नवंबर को वेलिंगटन में और तीसरा वनडे 10 नवंबर को हैमिल्टन में होगा। चौथा और पांचवां वनडे क्रमशः 13 और 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई (टौरंगा) के बे ओवल मैदान पर खेले जाएंगे। टेस्ट सीरीज पर रहेंगी निगाहें दौरे का समापन दो मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ होगा। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन के प्रतिष्ठित बेसिन रिजर्व मैदान पर खेला जाएगा। दूसरा और अंतिम टेस्ट 27 नवंबर से एक दिसंबर तक क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में आयोजित होगा। प्रसारण और टिकटों को लेकर उत्साह स्काई न्यूजीलैंड अगले छह सत्रों के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का आधिकारिक प्रसारण साझेदार बनेगा। स्काई के स्पोर्ट्स कंटेंट प्रमुख गैरी बर्चेट ने कहा कि भारत का दौरा विश्व क्रिकेट का सबसे बड़ा आकर्षण है और इसे दर्शकों के लिए यादगार प्रसारण अनुभव बनाने की तैयारी की जा रही है। दौरे के लिए टिकटों की भारी मांग की उम्मीद जताई जा रही है। प्रशंसकों को अगस्त में शुरू होने वाली विशेष प्री-सेल के लिए रजिस्ट्रेशन कराने की सलाह दी गई है। प्रतिद्वंद्विता का नया अध्याय पिछले कुछ वर्षों में भारत और न्यूजीलैंड के बीच कई बड़े मुकाबले देखने को मिले हैं। 2019 विश्व कप सेमीफाइनल, 2021 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल, 2023 विश्व कप सेमीफाइनल, 2024 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल और हालिया टी20 विश्व कप फाइनल जैसी प्रतियोगिताओं में दोनों टीमों की टक्कर चर्चा का विषय रही है। ऐसे में 2026 का यह लंबा दौरा क्रिकेट फैंस के लिए एक और रोमांचक अध्याय लिख सकता है।

बतौर बैकअप टीम में शामिल हुए आकिब नबी को ईशांत शर्मा के कोच का समर्थन, चयन प्रक्रिया पर दागे सवाल

नई दिल्ली : भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मुकाबला छह जून से खेला जाना है। इस मैच के लिए घोषित भारतीय टीम में आकिब नबी को बतौर बैकअप गेंदबाज शामिल किया गया है, जिस पर ईशांत शर्मा के कोच श्रवण कुमार ने सवाल उठाए हैं। घरेलू टी20 लीग यानी आईपीएल 2026 के समापन के बाद अब बारी है भारत और अफगानिस्तान के बीच

खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट मुकाबले की। इसकी शुरूआत छह जून यानी शनिवार को मुल्लांपुर में होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम का एलान कर दिया है, जिसमें बैकअप के तौर पर जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को शामिल किया गया है। हालांकि, अनुभवी गेंदबाज ईशांत शर्मा के कोच श्रवण कुमार का मानना है कि इस युवा गेंदबाज को प्लेइंग-11 का हिस्सा होना चाहिए था। जम्मू-कश्मीर को बनाया विजेता तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा के कोच श्रवण कुमार का मानना है कि आकिब नबी को अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होना चाहिए। न कि उन्हें सिर्फ एक बैकअप खिलाड़ी की भूमिका तक सीमित रखा जाना चाहिए। बता दें कि, नबी ने रणजी ट्रॉफी के हालिया सत्र में 60 विकेट झटके थे और जम्मू-कश्मीर को अपना पहला खिताब दिलाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। क्या बोले कोच श्रवण? भारतीय टीम की चयन समिति के फैसले से हैरान कोच श्रवण ने कहा, 'आकिब नबी ने अपनी टीम को रणजी चैंपियन बनाया और 60 विकेट लिए, फिर भी उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए क्यों नहीं चुना गया? यह 'बैकअप बॉलर' वाली बात क्या है?' उन्होंने आगे कहा, 'आप उन्हें बैकअप बॉलर के नाम पर सिर्फ 'नेट बॉलर' बनाकर रख रहे हैं। नबी के साथ बैकअप खिलाड़ी के नाम पर नेट बॉलर जैसा बर्ताव नहीं होना चाहिए।

क्या विश्व कप से पहले बढ़ गई भारत की चिंता ?: इंग्लैंड से सीरीज हार ने बढ़ाई मुश्किलें; बैटिंग-बॉलिंग दोनों फेल

लंदन : महिला टी20 विश्व कप से ठीक पहले भारतीय महिला टीम को बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड ने तीसरे और निर्णायक टी20 मुकाबले में भारत को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। एलिस कैप्सी और हीदर नाइट के बीच 137 रन की शानदार साझेदारी ने 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को यादगार जीत दिलाई। टॉनटन में खेले गए तीसरे और अंतिम टी20 मुकाबले में इंग्लैंड ने शानदार वापसी करते हुए भारतीय महिला क्रिकेट टीम को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरूआत बेहद खराब रही। टीम ने शुरूआती तीन ओवरों में ही डैनी वायट-हॉज और सोफिया डंकली के विकेट गंवा दिए। इसके बाद पावरप्ले के अंतिम ओवर में एमी जोन्स भी आउट हो गईं और इंग्लैंड का स्कोर 53/3 हो गया। हालांकि, इसके बाद एलिस कैप्सी और कप्तान हीदर नाइट ने भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 137 रन की मैच जिताऊ साझेदारी कर टीम को जीत की ओर पहुंचाया। एलिस कैप्सी की विस्फोटक पारी एलिस कैप्सी ने सिर्फ 43 गेंदों में 82 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने 26 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और भारतीय गेंदबाजों की जमकर खबर ली। दूसरी ओर, हीदर नाइट ने भी कप्तानी पारी खेलते हुए 42 गेंदों में नाबाद 70 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने स्पिन और तेज गेंदबाजी के खिलाफ लगातार आक्रामक रुख अपनाया, जिससे इंग्लैंड ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित कर लिया। कैप्सी के आउट होने तक इंग्लैंड जीत के बेहद करीब पहुंच चुका था। अंततः नाइट ने पारी के दूसरे अंतिम ओवर में चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई। हरमनप्रीत का अर्धशतक, लेकिन अंत में धीमी पड़ी भारत की पारी इससे पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही। शेफाली वर्मा 11 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि स्मृति मंधाना को चार्ली डीन ने एलबीडब्ल्यू कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद यास्तिका भाटिया ने तेज बल्लेबाजी करते हुए भारत को संभाला। उन्होंने पावरप्ले में सात चौके लगाकर रनगति बनाए रखी, लेकिन 32 रन बनाकर रन आउट हो गईं। मध्यक्रम में जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पारी को संभाला। जेमिमा अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सकीं और लॉरेन बेल की धीमी गेंद पर बोल्ड हो गईं। हरमनप्रीत ने एक छोर संभाले रखा और नाबाद 56 रन की पारी खेली। हालांकि, अंतिम पांच ओवरों में भारतीय टीम केवल 48 रन ही जोड़ सकी, जिसका असर अंतिम स्कोर पर साफ दिखाई दिया। भारत ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 180 रन बनाए। विश्व कप से पहले मिला अहम सबक महिला टी20 विश्व कप 12 जून से शुरू होने जा रहा है और उससे पहले यह सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण तैयारी साबित हुई।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु ,गुरूवार ,04 जून 2026

ईरानी ड्रोन हमले में कुवैत के हवाई अड्डे को भारी नुकसान

उड़ानें निलंबित; कई घायल

कुवैत सिटी (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संघर्ष एक बार फिर से गहराने के आसार नजर आने लगे हैं। ईरान की ओर से मंगलवार की देर रात से कई घंटों तक कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए गए। वहीं, अमेरिका ने भी जवाबी हमले में केश्म द्वीप पर आईआरजीसी के एक सैन्य केंद्र को निशाना बनाया है। वहीं, ईरान के हमलों में कुवैत के हवाई अड्डे को भी नुकसान पहुंचा है। ईरान ने बुधवार को कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर कई मिसाइलें और ड्रोन हमले किए। इन हमलों में कुवैत के हवाई अड्डे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। कुवैत ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि देश के हवाई अड्डे पर एक ईरानी ड्रोन हमले के बाद वाणिज्यिक उड़ानों को निलंबित कर दिया है। इस हमले में कई लोग घायल हुए हैं। ईरान पर अंतरराष्ट्रीय नियम तोड़ने का आरोप मामले में कुवैत विदेश मंत्रालय ने इस हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन के जरिए लगातार हमले किए जा रहे हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। मंत्रालय के अनुसार तड़के हुए इस हमले में एयरपोर्ट समेत कई महत्वपूर्ण नागरिक ठिकानों और राजनयिक परिसरों को नुकसान पहुंचा। कुवैत ने इन हमलों को आक्रामक और अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन है। कुवैत सरकार ने कहा कि देश की संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा रेड लाइन है और इसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार ने संकेत दिया कि वह जवाबी कदमों पर विचार कर रही है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने बताया कि हमले के बाद आपातकालीन सेवाओं और मेडिकल टीमों को तुरंत सक्रिय किया गया। घायलों का इलाज जारी है। इस हमले में इमारत को गंभीर नुकसान पहुंचा और कई व्यक्तियों को चोटें आई हैं। ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बरसाई मिसाइलें यह ड्रोन हमला ईरान और अमेरिका के बीच मंगलवार देर रात हुए मिसाइल हमलों के बाद हुआ। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने ईरान द्वारा कुवैत और बहरीन पर दागी गई मिसाइलों के जवाब में केश्म द्वीप पर एक ईरानी सैन्य सुविधा पर हमले किए थे। हालांकि, अमेरिका ने दावा किया कि उसकी सेना ने क्षेत्र के पड़ोसी देशों को निशाना बनाने वाले ईरानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों की एक श्रृंखला को नाकाम कर दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि तेहरान ने क्षेत्र में हवाई हमलों की एक लहर शुरू की थी। सैन्य कमांड ने बताया कि ईरान ने क्षेत्रीय पड़ोसियों की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, सभी अपने लक्ष्यों को भेदने में नाकाम रहीं।

भारत समेत 60 देशों पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा अमेरिका, लगाए बेतुके आरोप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका एक बार फिर भारत के खिलाफ टैरिफ बम फोड़ने की तैयारी कर रहा है। दरअसल अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने एक ऐसा प्रस्ताव दिया है, जिसमें भारत समेत 60 देशों पर टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है। अमेरिका एक तरफ भारत के साथ संबंध बेहतर करने की दुहाई दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ ट्रंप प्रशासन भारत के खिलाफ कार्रवाई से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल अमेरिकी सरकार एक बार फिर भारत पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रही है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि यूएसटीआर ने भारत समेत 60 देशों पर ये नया टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है। टैरिफ लगाने की वजह ये बताई गई है कि भारत समेत 60 देश जबरन श्रम से उत्पादित वस्तुओं के निर्यात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिकी व्यापार कानून 1974 की धारा 301 के तहत पाया गया है कि 60 देशों की नीतियां और कार्यशैली अमेरिकी व्यापार पर गैरजरूरी दबाव बढ़ाती हैं और अमेरिकी व्यापार को बाधित करती हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय, अमेरिका की एक कार्यकारी संघीय एजेंसी है, जो अमेरिका की विदेश व्यापार नीति बनाने के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार, भारत समेत 54 देश उन सामानों के निर्यात पर जरूरी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं, जिन्हें जबरन श्रम द्वारा बनाया जाता है। भारत के अलावा इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बांग्लादेश, चीन, जापान, सऊदी अरब, सिंगापुर, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी शामिल हैं। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर ने अपने बयान में कहा, 'हमारे सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदारों द्वारा जबरन श्रम से निर्मित वस्तुओं के निर्यात को रोकने में विफलता अस्वीकार्य है। इससे एक ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है इससे अमेरिकी कामगारों को असमान प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है।'

यूएस के साथ जंग में ईरान की अनोखी रणनीति

सूचना युद्ध से दुनिया को दिए पांच बड़े संदेश

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका भले ही दावा कर रहा है कि उसने ईरान की सेना को तबाह कर दिया है, लेकिन सूचना युद्ध में ईरान, अमेरिका और इस्त्राइल पर भारी पड़ा है। ईरान ने अपने खास होर्डिंग्स से ऐसे संदेश दिए हैं, जिनकी पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है। आइए जानते हैं कि ईरान ने अपनी कौन सी खास रणनीति के दम पर सूचना युद्ध में महाशक्ति अमेरिका को भी पछाड़ दिया। अमेरिका-इस्त्राइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद तेहरान की सड़कों पर लगे विशाल होर्डिंग्स और बिलबोर्ड्स दुनियाभर में चर्चा का विषय बन गए हैं। पारंपरिक मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक इनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। इससे पता चलता है कि आज युद्ध कितने बदल गए हैं और सूचना युद्ध किस तरह से जंग के नतीजों को प्रभावित करने की ताकत रखता है। ईरान में सार्वजनिक स्थानों पर होर्डिंग्स के जरिए राजनीतिक संदेशों देने की प्रथा कोई नई बात नहीं है। 1979 की इस्लामी क्रांति और विशेष रूप से ईरान-इराक युद्ध के बाद से ईरानी सरकार ने क्रांतिकारी प्रतीकों, युद्ध स्मारकों और वैचारिक संदेशों को प्रदर्शित करने के लिए होर्डिंग्स और पोस्टर्स का व्यापक इस्तेमाल किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, आज के दौर में ये बिलबोर्ड केवल स्थानीय जनता के लिए नहीं, बल्कि वैश्विक डिजिटल दर्शकों को ध्यान में रखकर तैयार किए जाते हैं। इनमें फारसी के साथ-साथ अंग्रेजी और हिब्रू

भाषा का भी इस्तेमाल किया जाता है ताकि संदेश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच सके। इनका उद्देश्य एक ओर राष्ट्रीय एकता और सामूहिक भावना को मजबूत करना है, वहीं दूसरी ओर इन्हें सूचना युद्ध के प्रभावी माध्यम के रूप में भी देखा जाता है। 1. हाल के महीनों में सबसे अधिक चर्चा में रहने वाले बिलबोर्ड्स में से एक में ईरानी मिसाइलों पर हाथ से लिखे गए संदेश और प्रतीकात्मक वाक्य दिखाई दिए। इनमें सबसे प्रमुख संदेश है– 'मिनाब की बेटियों के नाम'। यह युद्ध के शुरूआती दिनों में एक लड़कियों के स्कूल पर हुए हमले की ओर संकेत माना जाता है, जिसमें ईरानी अधिकारियों के अनुसार बड़ी संख्या में छात्राओं और शिक्षकों की मौत हुई थी। मिसाइल पर अंग्रेजी में लिखा गया 'एपस्टीन द्वीप की पीड़ित लड़कियों के नाम' जिसे अमेरिकी कारोबारी और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के विवादित द्वीप के संदर्भ में देखा गया। एक अन्य मिसाइल पर लिखा 'गुलाबी जैकेट वाली लड़की' जिसे 2024 में एक आतंकी हमले में मारी गई ईरानी बच्ची से जोड़कर देखा गया, जिसकी पहचान उसकी गुलाबी जैकेट और दिल के आकार की बालियों से हुई थी। इस बिलबोर्ड के जरिए मिसाइलों को केवल हथियार नहीं, बल्कि शोक, प्रतिशोध, स्मृति और सुरक्षा के प्रतीक के रूप में पेश करने की कोशिश की गई है। 2. मास्टर्स ऑफ वॉर एक अन्य चर्चित बिलबोर्ड पर फारसी भाषा में लिखा है, 'अगर तुम युद्ध चाहते हो, तो हम युद्ध के उस्ताद हैं।' इसके साथ हिब्रू भाषा में इस्त्राइल को लेकर एक उग्र संदेश भी दिया गया है। चित्र में इस्त्राइल के ऊपर आसमान में बड़ी संख्या में आती मिसाइलें दिखाई गई हैं, जो मानो आग की बारिश जैसी प्रतीत होती हैं। यह बिलबोर्ड सीधे हिब्रू भाषी दर्शकों को संबोधित करता है और ऐसा लगता है कि इसे इस्त्राइल पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पैदा करने के उद्देश्य से तैयार किया गया। इसके माध्यम से ईरान अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन और विरोधियों को चेतावनी देने की कोशिश करता दिखा। 3. ट्रंप का सिला हुआ मुंह एक अन्य द्विभाषी बिलबोर्ड में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चेहरे को दशार्या गया है, जिसमें उनके मुंह पर होर्मुज जलडमरूमध्य की आकृति को टांकों से सिला हुआ दिखाया गया है।

सैन्य भर्ती के खिलाफ सड़कों पर उतरे अति-रूढ़िवादी यहूदी, फूंक दीं कारें

यरूशलम (एजेंसी)। इस्त्राइल में अनिवार्य सैन्य भर्ती के खिलाफ हजारों अति-रूढ़िवादी यहूदियों ने हिंसक प्रदर्शन कर यरुशलम और तेल अवीव सहित कई शहरों को ठप कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने राजमार्ग जाम किए, कारों में आग लगाई और रेल यातायात को बाधित करने के साथ-साथ एक सैनिक पर भी हमला किया, जिसके बाद पुलिस को पानी की बौछारें छोड़नी पड़ीं। इस्त्राइल में हजारों अति-रूढ़िवादी यहूदियों ने अनिवार्य सैन्य भर्ती के विरोध में जबरदस्त प्रदर्शन किया और सड़कें जाम कीं। हिंसक प्रदर्शनकारियों ने रेल यातायात बाधित कर दिया और कुछ स्थानों पर कारों में आग लगा दी। पुलिस ने कहा, प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख चौराहों को रोका और एक बस से उतरे सैनिक पर हमला किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को पानी की बौछारों का इस्तेमाल करना पड़ा। प्रदर्शन से जनजीवन ठप हो गया। हालात इतने विकट हो गए कि मध्य क्षेत्र स्थित यरुशलम और तेल अवीव में प्रमुख राजमार्ग बंद हो गए तथा सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी प्रभावित रहीं। स्त्राइल में अधिकतर यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, प्रभावशाली लोग छूट हासिल करते रहे हैं। अब यह छूट खतरे में दिख रही है। बड़ी संख्या में इस्त्राइली युवक लंबे समय से चली आ रही इस व्यवस्था से असंतुष्ट हैं। यह असंतोष सेना के दबाव झेलने के चलते बढ़ गया। संघर्षों के बीच मोर्चे पर बार-बार लौटना पड़ा इस्त्राइली युवाओं में अनिवार्य सैन्य भर्ती के लिए आक्रोश इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि अनेक नागरिकों को रिजर्व ड्यूटी के लिए बार-बार मोर्चे पर लौटना पड़ा है।

'ईरान ने संघर्ष के बाद अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद किए', आईएईए प्रमुख का बयान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने अपने एक बयान में कहा है कि पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद ईरान ने अपने कुछ परमाणु कार्यक्रम का संचालन बंद कर दिया है। साथ ही अमेरिकी विदेश मंत्री ने दावा किया है कि ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु मुद्दे पर बातचीत जारी है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने दावा किया है कि ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच तेहरान ने अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंध के बाद खुफिया जानकारियों से पता चला है कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रमों को सीमित किया है। ग्रॉसी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब इस्त्राइल और लेबनान के बीच अमेरिका में चौथे दौर की बातचीत होनी है, जिसके लिए दोनों देशों के प्रतिनिधि वॉशिंगटन पहुंच चुके हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- ईरान परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए तैयार अमेरिकी विदेश मार्को रूबियो ने मंगलवार को कहा कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम के पहलुओं पर बातचीत करने के लिए तैयार है। सीनेट की विदेश संबंधी समिति के सामने बोलते हुए रूबियो ने कहा, हम बात कर रहे हैं। हमारे सामने एक संभावना है, जो आज या कल हो सकती है या इसमें एक सप्ताह भी लग सकता है। पहली बार है, जब ईरान परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए तैयार हुआ है। रूबियो ने होर्मुज खोलने की वकालत की और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को मुक्त रखने की मांग की।

अब विदेश यात्रा नहीं कर पाएंगे पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे, कोर्ट ने लगाई रोक

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका की एक कोर्ट ने 2019 के ईस्टर आतंकी हमले की जांच के सिलसिले में पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे और दो पूर्व सैन्य अधिकारियों के विदेश यात्रा करने पर रोक लगा दी है। कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट अदालत ने यह आदेश आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की ओर से दायर याचिका पर विचार करने के बाद दिया। सीआईडी 21 अप्रैल 2019 को हुए आत्मघाती बम धमाकों की जांच कर रही है। इन धमाकों में देशभर के चर्चों और लग्जरी होटलों को निशाना बनाया गया था। हमलों में 11 भारतीयों समेत 270 लोगों की मौत हुई थी। मजिस्ट्रेट पसान अमरसेकरा ने यह आदेश उस समय जारी किया, जब राज्य की खुफिया एजेंसी के पूर्व प्रमुख सुरेश सल्ले से जुड़े मामले की सुनवाई अदालत में हुई। सुरेश सल्ले को इस मामले में संदिग्ध माना गया है। हमलों के कथित मुख्य साजिशकर्ता का पता लगाने की जांच के तहत उन्हें 25 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल उन्हें हिरासत में रखा गया है। हमले के समय सल्ले विदेश में एक राजनयिक पद पर कार्यरत थे। वर्ष 2015 से पहले महिंदा राजपक्षे सरकार के दौरान वह राज्य खुफिया सेवा के प्रमुख रह चुके थे। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि यदि गोटाबाया राजपक्षे और दोनों सैन्य अधिकारी देश छोड़कर चले जाते हैं, तो चल रही जांच प्रभावित हो सकती है। पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के छोटे भाई गोटाबाया

राजपक्षे ने बम धमाकों के कुछ समय बाद राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की थी। बाद में उन्होंने नवंबर 2019 का राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया था। जांचकताओं का आरोप है कि ईस्टर हमलों का इस्तेमाल ऐसा असुरक्षा का माहौल बनाने के लिए किया गया हो सकता है, जिससे गोटाबाया राजपक्षे के चुनाव अभियान को फायदा मिला। हालांकि, कोर्ट में अब तक ऐसा कोई आरोप साबित नहीं हुआ है। जुलाई 2022 में श्रीलंका के कई दशकों के सबसे गंभीर आर्थिक संकट के दौरान बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बाद गोटाबाया राजपक्षे को राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देना पड़ा था। उनके आलोचकों ने उनकी सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। गोटाबाया राजपक्षे ने बम धमाकों से जुड़ी किसी भी साजिश में शामिल होने के आरोपों से बार-बार इनकार किया है। ईस्टर हमले स्थानीय इस्लामी चरमपंथी संगठन नेशनल तौहीद जमात ने किए थे, जिसका संबंध आईएसआईएस से बताया गया था। हमलावरों ने कोलंबो और देश के अन्य हिस्सों में स्थित तीन चर्चों और तीन लग्जरी होटलों को निशाना बनाया था। इस हमले ने श्रीलंका की सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया था। उस समय राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना के नेतृत्व वाली सरकार पर आरोप लगा था कि भारत की ओर से संभावित आतंकी हमले की पहले से दी गई खुफिया चेतावनियों के बावजूद उसने हमलों को रोकने के लिए पर्याप्त कार्रवाई नहीं की।

इबोला संकट के बीच भारत ने युगांडा को भेजी 43 टन चिकित्सा सहायता

अफ्रीका सीडीसी ने जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इबोला वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए भारत ने युगांडा को 43 टन चिकित्सा सहायता भेजी है। इस सहायता में दवाएं, सुरक्षा उपकरण और जांच सामग्री शामिल हैं। अफ्रीका सीडीसी ने भारत के सहयोग का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। भारत ने मंगलवार को युगांडा में फैले इबोला वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए आपातकालीन चिकित्सा सहायता भेजी। यह सहायता भारतीय वायु सेना के सी-17 ग्लोबमास्टर-क्क्क विमान के जरिए युगांडा पहुंचाई गई। भारतीय वायु सेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस अभियान की जानकारी दी। वायु सेना ने कहा कि यह मिशन मानवीय संकट के समय त्वरित सहायता पहुंचाने की भारत की क्षमता को दशार्ता है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह सहायता अफ्रीकी संघ आयोग के अनुरोध पर अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (अफ्रीका सीडीसी) को उपलब्ध कराई गई है। इसका उद्देश्य अफ्रीका के प्रभावित क्षेत्रों में इबोला नियंत्रण प्रयासों को मजबूत करना है। मंत्रालय ने बताया कि 24 मई को लगभग 2.5 टन चिकित्सा सामग्री की पहली खेप युगांडा की राजधानी कंपाला भेजी गई थी। इसमें सुरक्षा उपकरण, स्वास्थ्य निगरानी उपकरण, आवश्यक दवाएं और पोषण संबंधी सामग्री शामिल थी। अफ्रीका सीडीसी से सामान की सूची मिलने के बाद भारत ने दूसरी और बड़ी खेप तैयार की। इसमें लगभग 43 टन चिकित्सा सामग्री भेजी गई है। दूसरी खेप में सुरक्षा उपकरण, जांच और निगरानी उपकरण, नमूना परिवहन किट, संक्रमण रोकथाम सामग्री, दवाएं और अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। यह खेप 2 जून को कंपाला पहुंचाई गई और अफ्रीका सीडीसी को सौंपी जाएगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह सहायता अफ्रीकी देशों के साथ भारत की मजबूत साझेदारी और सहयोग की भावना को दशार्ती है। भारत सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने में अफ्रीकी देशों का समर्थन करता रहेगा। मंत्रालय ने यह भी बताया कि अदीस अबाबा और कंपाला में स्थित भारतीय मिशन अफ्रीकी संघ आयोग और अफ्रीका सीडीसी के साथ लगातार संपर्क में हैं। इससे पहले सोमवार को अफ्रीका सीडीसी ने भारत द्वारा भेजी गई चिकित्सा सहायता का स्वागत किया था।

वचनामृत (शरणों के वचन)

डॉ प्रभाशंकर 'प्रेमी'
प्रोफेसर (से. नि.), बेंगलूरू विश्वविद्यालय, बेंगलूरू

मेरी देह रूपी चारदीवारी में,
मन रूपी शिवालय है, मन रूपी शिवालय में चिद्रूप रूपी सिंहासन पर, चित्प्रकाश रूपी लिंग को स्थित कर, निश्चिंत रूपी हाथ में स्पर्श कर पूजा करने से, भवमाला मिटकर भव रहित हुआ, देखो हे अप्रमाण कूडलसंगमदेव।

इस वचन में शरण बाल संगय्या चित्प्रकाश रूपी लिंग की पूजा की प्रकिया बता रहे हैं।वे कहते हैं कि मेरी देह रूपी आवरण में मन रूपी शिवालय है। उस मन रूपी शिवालय में चैतन्य स्वरूप रूपी सिंहासन है। उस पर चित प्रकाश लिंग को स्थिर कर उसे निश्चिंत रूपी हाथ से छूकर पूजा करने से भवमाला यानी जनन मरण का सिलसिला टूट कर मैं भव रहित हो गया। इस प्रकार भव से मुक्त होने की चैतन्य रूपी लिंग की पूजा का अनुभाव बता रहे हैं शरण बालसंगय्या

बालसंगय्या

PRINTED PUBLISHED AND OWNED BY ASHT BHUJA PANDEY AND PRINTED AT MNS PRINTERS PVT. LTD., NO. 345/4, BHATTARAHALLI, OLD MADRAS ROAD, BANGLORE KARNATAKA- 560049 AND PUBLISHED AT NO. 62, SAGAR SADAN, 3RD FLOOR, 7TH CROSS NEAR MUNESHWARA SWAMY MARIKAMBA TEMPLE, PILLARODDY NAGAR, CHIKKA-BANASWADI, BANGALORE NORTH, BANGALORE KARNATAKA-560043, EDITOR: BANDANA PANDEY, FOR-EDITORIAL 080-485-41870/8660106725, ADVERTISEMENT: 916-4117755, ENAIL HINDSAGARPLK@GMAIL.COM, RNI NO. KARHIN/2021/82440